हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

रायपुर, रविवार 26 जनवरी 2025

|| HARE KRISHNA ||

ग्राहक अनुभव

शहर के बीच घर बनाना हर किसी की सपना होता है। इसके लिए हर्षित अर्बन सिटी की लोकेशन बेस्ट है। प्लॉट मेला में मिलने वाली स्पेशल स्कीम का लाभ उठाने मैंने यहां प्लॉट बुकिंग कराई। यह शानदार फैसला है।

योगेश भारती

हर्षित अर्बन सिटी में किफायती दामों पर प्रीमियम रेजिडेंशियल प्लॉट्स उपलब्ध हैं। मैंने परिवार के साथ हर्षित अर्बन सिटी का लोकशन देखा। यह प्रोजेक्ट मुझे और मेरे परिवार को बेहद पसंद आया। मैंने यहां प्लॉट बुकिंग कराई है।

सिद्धार्थ सोनी

शहर के करीब अपने बजट के अनुरूप प्रीमियम रेजिडेंशियल प्लॉट्स खरीदने के लिए हर्षित अर्बन सिटी बेस्ट है। रिंग रोड नं. 1, डी-मार्ट के सामने पूर्व विकसित हर्षित अर्बन सिटी में प्लॉट की बुकिंग मेरे लिए अच्छा सौदा है।

आशुतोष शर्मा

मैं पिछले कुछ सालों से शहर के बीच रेजिडेंशियल प्लॉट्स की तलाश कर रहा था..मेरी से तलाश हर्षित अर्बन सिटी में आकर पूरी हुई। सिंघानिया बिल्डकॉन के पास 32 वर्षों से अधिक का अनुभव है। मैं यहां बुकिंग करा कर बहुत खुश हूं।

संतोष साहू

शहर के बीच में, अपना जहां... आप सादर आमंत्रित है.

10 Plots Sold ₹4200/Sqft. Now Rate is ₹4350/Sqft.

आज ही चेक लेकर आइए और अपना पसंदीदा प्लॉट बुक कराइए!

SINGHANIA™ BUILDCON GROUP Building lifestyle since 1993

प्लॉट मेला

24 | 25 | 26 JAN. 2025

RAIPURA

मात्र ₹ 60 लाख रुपये में बनाये अपना बंगला शहर के बीचो बीच

Special Offer on SPOT BOOKING

रिंग रोड नं.-1, **डी-मार्ट के सामने,** रायपुरा-रायपुर

लक्ज़री जीवन

आधुनिक सुविधाएँ

शहर के बीचो बीच

HARSHIT URBAN CITY

प्रीमियम रेसिडेंशियल प्लॉट्स

प्लॉट साईज **1000-3000 वर्गफुट**

*T&C Apply

सुविधाएं एवं विशेषताएं

निर्माण कार्य तीव्र गति से प्रगति पर

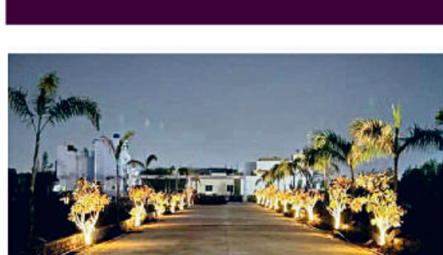
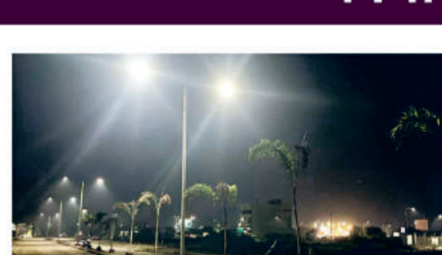

SINGHANIA™ BUILDCON GROUP Building lifestyle since 1993

9827-321-321
www.singhaniabuildcon.com

Rera Reg. No. :PCGRERA250724001799
www.rera.cgstate.gov.in

Credai Member CREDAI Chhattisgarh

RERA APPROVED

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

पीएससी यूपीएससी व्यापम सहित सभी प्रतियोगी परीक्षाओं में अनिवार्य रूप से होते हैं संविधान आधारित सवाल

राजधानी की शीर्ष लाइब्रेरी में युवा सबसे अधिक इन किताबों को ही करा रहे हैं इशू

हजारों किताबों में 'संविधान' फेवरेट, सर्च की जाने वाली बुक्स में टॉप पर, इसके बगैर 'सेवा' की राह नहीं

रुचि वर्मा ▶▶| रायपुर

हरिभूमि खास

कविताएं, कहानियां, रोमांच और सस्पेंस से भरे उपन्यास सहित इस तरह की हजारों किताबों के बीच भी शीर्ष पर संविधान ही है। यह हम नहीं, बल्कि राजधानी रायपुर के शीर्ष पुस्तकालयों के आंकड़े कह रहे हैं। संविधान आधारित और संविधान की जानकारी देने वाली किताबें युवा सर्वाधिक इशू करा रहे हैं। इन ▶▶|शेष पेज 6 पर

सेंट्रल लाइब्रेरी और तक्षशीला में भी खोज

नालंदा लाइब्रेरी के बाद युवाओं में अध्ययन के लिए सर्वाधिक क्रेज जहां है, उनमें सेंट्रल लाइब्रेरी और मोतीबाग स्थित तक्षशीला पुस्तकालय शामिल है। तक्षशीला लाइब्रेरी की सौगात बीते वर्ष ही युवाओं को मिली थी। यहां नालंदा की तरह व्यापम पैमाने पर ▶▶|शेष पेज 6 पर

प्रतियोगी परीक्षाएं मुख्य वजह

संविधान से जुड़े सवाल लगभग सभी प्रतियोगी परीक्षाओं में अनिवार्य रूप से पूछे जाते हैं।

- **केदार पटेल,** नोडल अधिकारी समस्त पुस्तकालय

छड़ी, ताम्रपत्र, जैकेट, कुर्ता, पायजामा चश्मा, तिरंगा...इनकी होती है पूजा

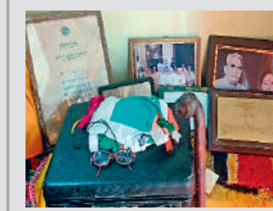

महेन्द्र विश्वकर्मा ▶▶| जगदलपुर

देश को अंग्रेजों की गुलामी से मुक्त करवाने की जंग में तमाम लोग शामिल हुए थे। उन्हीं में से एक शहर निवासी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी राम अक्षयवर शर्मा हैं, जिनका 101 साल की उम्र में 11 अप्रैल 2012 को निधन हो गया। वे पुलिस विभाग में ▶▶|शेष पेज 6 पर

■ स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के सपनों को साकार कर रहा परिवार

मिली जमीन पर अवैध कब्जा

संजयमणि ने बताया कि पिता को शासन से संभागीय मुख्यालय से लगभग 22 किमी दूर करनपुर में 5 एकड़ जमीन मिली थी। पिता के निधन के बाद उस जमीन को देखने गए तो पता चला कि उस जमीन में कुछ लोगों द्वारा अवैध कब्जा किया गया है, इस पर प्रशासन का ध्यान नहीं है।

गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं

गणतंत्र दिवस के अवसर पर सुधि पाठकों, विज्ञापनदाताओं, एजेंसियों और हॉकर बंधुओं समेत सभी शुभचिंतकों को हार्दिक शुभकामनाएं।

अवकाश

इस अवसर पर 26 जनवरी रविवार को हरिभूमि कार्यालय में अवकाश रहेगा। 28 जनवरी मंगलवार को आपका यह प्रिय अखबार आपके हाथों में होगा।

प्रधान संपादक

खबर संक्षेप

नीट-यूजी परीक्षा का बदला पैटर्न

नई दिल्ली। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने नीट यूजी 2025 परीक्षा पैटर्न में बदलाव किया है। अब उम्मीदवारों को 180 अनिवार्य प्रश्नों का उत्तर देना होगा। छात्रों को इन प्रश्नों का हल करने 3 घंटे का समय मिलेगा। पहले, सेक्शन ए में 35 अनिवार्य प्रश्न और सेक्शन बी में 15 वैकल्पिक प्रश्न होते थे।

सेवा और साहस का सम्मान...

प्रदेश के 22 पुलिसकर्मी, अफसरों को वीरता विशिष्ट के साथ सराहनीय सेवा मेडल

■ बस्तर के एक तथा दंतेवाड़ा के नौ पुलिस अफसर, कर्मी राष्ट्रपति वीरता पदक पाने चयनित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राज्य के अलग-अलग जिलों के ऐसे पुलिसकर्मी, अफसर जिन लोगों ने अदम्य साहस, वीरता के साथ जनसेवा कर अपनी अलग पहचान बनाई है। ऐसे 22 पुलिसकर्मियों को चिन्हांकित कर केंद्रीय गृह मंत्रालय ने वीरता, विशिष्ट सेवा के साथ सराहनीय पदक से सम्मानित करने घोषणा की है। सम्मान पाने वाले पुलिसकर्मियों को पुलिस महानिदेशक अशोक जुनेजा ने बधाई दी है। जिन पुलिसकर्मी अफसरों को वीरता पदक मिला है, उनमें 10 दंतेवाड़ा के हैं, एक टीआई बस्तर के हैं, जिनकी पोस्टिंग वर्तमान में कबीरधाम जिले में है।

महेश राम

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने जारी की सूची

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने जिन पुलिसकर्मियों को पुलिस वीरता पदक देने नामों की घोषणा की है। उनके नाम इस प्रकार से हैं- कबीरघाम में पदस्थ टीआई लालजी सिन्हा, रायपुर में पदस्थ टीआई भुनेश्वर साहू, डीएसपी ▶▶|शेष पेज 6 पर

देश के 942 कर्मियों को वीरता और सेवा पदक

नई दिल्ली। गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर कुल 942 पुलिस, अग्निशमन व नागरिक सुरक्षा कर्मियों को विभिन्न श्रेणियों के वीरता और सेवा पदक से सम्मानित किया गया। इनमें 95 वीरता पदक शामिल हैं। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कहा कि पुरस्कार पाने वालों में पुलिस, अग्निशमन, होमगार्ड और नागरिक सुरक्षा के कर्मी शामिल हैं। वीरता पुरस्कार विजेताओं में वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में तैनात 28, जम्मू-कश्मीर क्षेत्र में तैनात 28, पूर्वोत्तर में तैनात तीन और अन्य क्षेत्रों में तैनात 36 कर्मी शामिल हैं। मंत्रालय ने कहा कि 101 राष्ट्रपति विशिष्ट सेवा पदक (पीएसएम) में से 85 पदक ▶▶|शेष पेज 6 पर

राज्य अलंकरण के बाद अब पंडीराम मंडावी को पद्मश्री

■ टाइगर बॉय चेंदरू के भाई ने विदेशों तक पहुंचाई काष्ठकला

जगदलपुर। नारायणपुर जिला मुख्यालय से लगभग 5 किलोमीटर दूर स्थित गांव गढ़बेंगाल एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा में आ गया है। 40-50 साल पहले तब चर्चा में आया था, जब शेर से लड़ता हुआ चेंदरू पर विदेश में फिल्म बनी थी। फिर 2 महीना पहले नवंबर 2024 में चेंदरू के भाई काष्ठकला में माहिर पंडीराम मंडावी को पिछले 6 नवम्बर को राजधानी में राज्य अलंकरण पुरस्कार उपराष्ट्रपति के हाथों मिला था। अब पंडीराम मंडावी का नाम पद्मश्री की सूची में आ गया है। हरिभूमि से चर्चा ▶▶|शेष पेज 6 पर

सीएम बोले- छग के लिए गर्व का क्षण

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि गोंड मुरिया जनजातीय के सुप्रसिद्ध कलाकार पंडी राम मंडावी को पद्मश्री सम्मान के लिए चुना जाना छत्तीसगढ़ के लिए गर्व का क्षण है।

139 हस्तियों को पद्म पुरस्कार

नई दिल्ली। पूर्व प्रधान न्यायाधीश जगदीश सिंह खेहर, सुजुकी के प्रमुख रहे (दिवंगत) ओसामु सुजुकी और लोक गायिका (दिवंगत) शारदा सिन्हा तथा पूर्व क्रिकेटर आर अश्विन उन 139 प्रतिष्ठित लोगों में शामिल हैं, जिन्हें 76वें गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर शनिवार को पद्म पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

ग्रामीण/शहरी रणभूमि

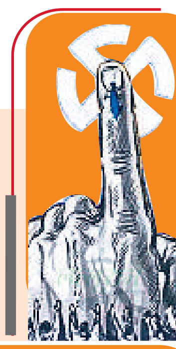

गरियाबंद नपा अध्यक्ष समेत पार्षद प्रत्याशियों का भाजपा ने किया ऐलान

गरियाबंद। भाजपा ने नगरीय निकाय चुनाव के लिए गरियाबंद नगर पालिका अध्यक्ष समेत जिले के 5 नगर पंचायत अध्यक्ष और पार्षद प्रत्याशियों का ऐलान कर दिया है। भारतीय जनता पार्टी के जिला प्रभारी और जिले के पदाधिकारियों ने शनिवार को प्रेस कांफ्रेंस कर प्रत्याशियों की सूची जारी की। भाजपा की ओर से जारी सूची के मुताबिक, गरियाबंद नगर पालिका अध्यक्ष के लिए प्रशांत मानिकपुरी को मैदान में उतारा गया है। वहीं राजिम नगर पंचायत में महेश यादव, फिंगेश्वर नगर पंचायत में उत्तम राजवंशी, कोपरा नगर पंचायत में रूपनारायण साहू, छुरा नगर पंचायत में लुकेश्वरी निषाद एवं देवभोग नगर पंचायत में अनिता विकास उपाध्याय को अध्यक्ष प्रत्याशी बनाया गया है।

झरोखा

नगर निगम में भाजपा के पहले मेयर के रूप में पताका लहराने वाले शरद वर्मा जब सदन में अपनी बात रखते थे तो सन्नाटा पसर जाया करता था। विपक्ष के पास उनकी बातों का कोई जवाब नहीं होता था। वे राजनीतिक घटनाक्रम के ऐसे शिकार हुए कि उन्हें महज डेढ़ साल ही कार्य करने का मौका मिला। इस दौरान उन्होंने जनहित में कई ऐसे निर्णय लिए, जो मिसाल बन गया।

पहले महापौर बनने का बनाया रिकॉर्ड, गुटबाजी के कारण केवल डेढ़ साल में छिन गई थी कुर्सी

हरिभूमि न्यूज ⏭ राजनांदगांव

मध्यप्रदेश के राजनीति में भाजपा नेता शरद वर्मा उस समय सुर्खियों में आ गए, जब पूरे प्रदेश में भाजपा के सिर्फ दो ही मेयर चुने जा सके थे। जिसमें संस्कारधानी नगर निगम में 38 वर्षीय शरद वर्मा ने अपना परचम लहराया था। 5 जनवरी 1995 से उनका प्रथम महापौर पद संभालने का सफर महज डेढ़ वर्ष ही रह पाया। निगम की राजनीति घटनाक्रम का वे ऐसा शिकार हुए कि उनके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव आ गया।

तब और अब में काफी फर्क

लगभग 68 वर्षीय श्री वर्मा कहते हैं कि पहले की राजनीति और आज की राजनीति में काफी फर्क आया है। पहले राजनीति के माध्यम से सेवा कार्य को प्रथम पंक्ति पर रखा जाता था और ऐसी परिस्थितियां कम नजर आती है। फिलहाल वे अब राजनीतिक जीवन से किनारा कर अपने निजी कार्यों में व्यस्त रहते हैं।

संगठन में अध्यक्ष से लेकर निगम में एल्डरमैन तक निभाई भूमिका

श्री वर्मा बताते हैं कि सबसे दुखद पल वह रहा, जब उनके पिताश्री का निधन हो गया और इसी दौरान निगम में पार्षदों ने उनके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव ले आया, जब वे पिता के अस्थियों का विसर्जन कर रहे थे, तब उनको मेयर पद से हटाने कैम्पेन किया जा रहा था, जिसे उन्होंने सहर्ष स्वीकार कर अपनी सादगी और विशाल हृदय का परिचय दिया और अफसोस भी नहीं किए और राजनीतिक सफर जारी रखें। उन्होंने दो बार और चुनाव लड़ा, पार्षद बने। इसके अलावा एल्डरमैन की भूमिका भी निभाई। साथ ही वे शहर भाजपा अध्यक्ष के रूप में अपने दायित्वों का बखूबी निर्वहन किया।

चुनौतियां स्वीकार कर कर्तव्य किया पूरा

भाजपा के वरिष्ठ नेता श्री वर्मा ममता नगर वार्ड क्रमांक 17 से पहली बार पार्षद बने थे। उन नगर निगम में 45 वार्ड हुआ करते थे। जिसमें कांग्रेस से 21, भाजपा से 22 एवं 2 निर्दलीय पार्षद थे। प्रथम मेयर के रूप में श्री वर्मा को निगम चलाना उनके लिए किसी चुनौती से कम नहीं थी। वे निगम की वित्तीय संकट के बाद भी निगम को बेहतर ढंग से चला रहे थे। खासकर वे जनता को मूलभूत सुविधाएं देने पानी, साफ-सफाई व्यवस्था पर विशेष जोर देते रहे। उन्हीं के कार्यकाल में संपत्ति कर का कम से कम निर्धारण किए जाने का निर्णय लिया गया।

खूबी ऐसी कि कार्यशैली को रखा पारदर्शी

श्री वर्मा की कार्यशैली ऐसी रही कि वे पूरी तरह से हर कार्य पारदर्शिता के साथ करते रहे। वे हर विषय पर पत्रकारवार्ता लेकर खुलकर अपनी बात रखते। उनके मेयर कार्यकाल के दौरान 18 दिनों के लिए सफाई कर्मियों ने वेतन की मांग पर हड़ताल कर दिया था। श्री वर्मा ने उस दौरान स्पष्ट कह दिया था कि नो-वर्क, नो-पेमेंट। हालांकि वरिष्ठ नागरिक के मध्यस्थता से उक्त हड़ताल समाप्त हो गया। उनके कार्यकाल को निगम की राजनीति में रूचि लगने वाले आज भी याद करते कहते हैं कि श्री वर्मा जब सदन में अपनी बात दबंगता से रखते थे तो विपक्ष के पास कोई जवाब नहीं हो पाता था।

रोचक खबरें

70 किलो चिल्हर लेकर पहुंचा, गिनने में लगे 4 घंटे

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

नगर निगम चुनाव की सरगर्मी तेज है। चौक-चौराहे में पार्षद और महापौर प्रत्याशियों को लेकर चर्चा है। शनिवार को पब्लिक वॉइस के सदस्य रोहित सिंह आर्य महापौर पद के लिए फार्म लेने कलेक्टर कार्यालय पहुंचे। कुछ अनोखा करने की अपने अंदाज में 70 किलो सिक्के बीस हजार रुपये को जैसे ही टेबल में रखें सब चौंक गये। उन्होंने बताया कि वार्डों में एक सिक्का एक वोट मुहिम चलाया गया था, जिससे इकठ्ठे हुए पैसे से फॉर्म खरीदने पहुंचें है। कई थैलों में चिल्हर भरकर रोहित पहुंचा था। सिक्कों को देखकर निर्वाचन कार्य में जुटे अधिकारियों-कर्मचारियों को पसीना छूटने लगा और इसे गिनने में 4 घंटे से अधिक समय लगा। यह पहला अवसर था, जब सिक्का लेकर कोई दावेदार फार्म लेने कलेक्टोरेट पहुंचा था। रोहित आर्य ने बताया कि चुनाव लड़ने के लिए मतदाताओं से 1-1 रुपए चंदा के रूप में मांग की गई थी और जनता से मिले चिल्हर को कई महीने से इकट्ठा किया था। अब जब चुनाव लड़ने का समय आया तो पूरे चिल्हर को कई थैलियों में भरकर आज पहुंचा। जिसे कर्मचारियों ने गिना।

सिक्का लेकर महापौर का फार्म लेने कलेक्टोरेट पहुंचा रोहित

चिल्हर देखकर भीड़ जुट गई

शनिवार को शासकीय अवकाश रहता है, लेकिन चुनाव के चलते निर्वाचन का काम आम दिनों की तरह चलता रहा, इसलिए फार्म लेने के लिए बड़ी संख्या में भाजपा-कांग्रेस के अलावा निर्दलीय चुनाव लड़ने वाले दावेदार भी पहुंचे थे। वहीं अधिकारी-कर्मचारियों का भी जमावाड़ा था। काफी मात्रा में टेबल में सिक्कों को गिनते देखकर आसपास के लोग पहुंच गए और देखते ही देखते भीड़ जुट गई। जब गिनती पूरी हुई उसके बाद फार्म देने की कार्रवाई की गई।

प्रचार का तरीका तो नहीं

पब्लिक वॉयस के रोहित आर्य के सिक्का लेकर पहुंचने पर जहां लोग उत्सुकता से गिनती कर रहे कर्मचारियों के हाव-भाव को देखते रहे। वहीं कई लोग इस तरह चिल्हर लेकर आने को प्रचार का एक तरीका भी बता रहे थे। वहीं कुछ लोग यह भी कहते देखे गए कि बाजार में चिल्हर की किल्लत है और इतना सारा लगभग 70 किलो सिक्का इनके पास कहां से आ गया। इस तरह चर्चा के बीच तरह-तरह की बातें आपस में लोग करते दिखाई पड़े। लेकिन सबसे ज्यादा परेशानी उन कर्मचारियों को हो रही थी जो 4 घंटे तक टेबल में लगभग 21 हजार के सिक्के गिनने में व्यस्त थे।

डॉ. तमेर ने मेयर का चुनाव लड़ सबको चौकाया और रोचक मुकाबले में जीते भी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

बात है दुर्ग निगम के नवंबर-दिसंबर 2009 में हुए नगर निगम चुनाव की। इस हाई वोल्टेज वाले चुनाव में कौन जीतेगा, इसे लेकर पूरे समय धुकधुकी बनी रही। यह चुनाव इसलिए खास था कि दो बार की मेयर डॉ. सरोज पांडेय सांसद बन चुकी थी। वे अपनी मेयर की सीट पर अपने किसी करीबी को बैठाना चाह रही थी। इस बीच आरएसएस से जुड़े डॉ. शिव कुमार तमेर का नाम सामने आया, जो जवाहर लाल नेहरू हॉस्पिटल सेक्टर-9 में डॉयरेक्टर के पद पर पदस्थ थे। वे अपने समय में मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ के पहले न्यूरो फिजिशियन थे। देश के टॉप-10 न्यूरोलॉजिस्ट के शुमार थे। उन्होंने अपनी आराम की नौकरी छोड़कर राजनीति में उतरने का निर्णय लिया। जब उन्हें भाजपा ने मेयर उम्मीदवार बनाया, उनके पास भाजपा की प्राथमिक सदस्यता भी नहीं थी, लेकिन वे आरएसएस से जुड़े हुए थे। सरोज पांडेय ने उन्हें चुनाव लड़ने के लिए तैयार किया और उनके नाम की घोषणा कर दी। उनका मुकाबला कांग्रेस के पूर्व महापौर शंकरलाल ताम्रकार से सीधा माना जा रहा था। ताम्रकार के सामने वे कमजोर माने जा रहे थे।

छत्तीसगढ़ स्वाभिमान मंच के राजेंद्र साहू को 402 वोटों के अंतर से हराया

काउंटिंग के दौरान धांधली के लगे आरोप

यह चुनाव इसलिए भी याद किया जाता है कि पूरे शहर में राजेंद्र साहू के पक्ष में माहौल नजर आ रहा था। लोग खासे उत्साहित थे। उस समय डीएमओ परिसर में काउंटिंग हुई। काउंटिंग के दौरान राजेंद्र साहू शुरू से आगे चल रहे थे, लेकिन शाम करीब साढ़े 7 बजे अचानक लाइट गुल होने और इसके बाद डॉ. शिव कुमार तमेर के आगे होने की बाते सामने आई। इसे लेकर राजेंद्र समर्थकों का आक्रोश फूट पड़ा। उन्होंने काउंटिंग स्थल पर ही धरना शुरू कर दिया। तत्कालीन जिला निर्वाचन अधिकारी और कलेक्टर ठाकुर राम सिंह के समक्ष आपत्ति भी की गई। लेकिन उन्होंने आपत्ति खारिज कर दी। बाद में डॉ. शिव कुमार तमेर को विजयी घोषित कर दिया गया।

त्रि-स्तरीय पंचायती राज चुनाव के लिए अधिसूचना जारी

छत्तीसगढ़ में चुने जाते हैं 1 लाख 59 हजार पंच

निर्विरोध सबसे ज्यादा बस्तर में, सबसे कम रायपुर जिले में

छत्तीसगढ़ में होने वाले त्रि-स्तरीय पंचायत राज चुनाव के लिए अधिसूचना हाल में जारी की गई है। हालांकि इससे पहले ही गांव-गांव में पंचायत चुनाव का माहौल बनने लगा था। अब अधिसूचना जारी होने के बाद ही चुनाव लड़ने वाले पूरी तरह सक्रिय हो गए हैं। राज्य में पंचायतों के चुनाव गैरदलीय आधार पर होते हैं। राजनीतिक दलों की इन चुनाव में सीधी भागीदारी नहीं होती, लेकिन इन चुनावों के लिए राजनीतिक संघर्ष भी होता है।

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

गांवों में चुनाव लड़कर नेता बनने की पहली सीढ़ी पंच चुनाव से शुरू होती है। गांव में महिलाओं, पुरुषों, युवाओं समेत उम्रदराज लोग भी चुनाव मैदान में कूदने को बेताब रहते हैं। इस चुनावी रस्साकशी के बीच भी राज्य के कई जिलों के गांवों में पंच पद के लिए लोग मुकाबला करने से बेहतर आपसी तालमेल से पंच चुनने का काम करते हैं। यही कारण है कि पिछले चुनाव में राज्यभर में 69 हजार 504 पंच निर्विरोध चुनाव जीतकर आए थे। यह गांवों में सहमति बनाने की प्रक्रिया का एक बेहतरीन उदाहरण माना जा सकता है।

गांव-गांव में पंचायत चुनाव का माहौल बना

सबसे अधिक निर्विरोध और सबसे कम

छत्तीसगढ़ में बीजापुर अकेला ऐसा जिला है, जहां पिछले चुनाव में 2145 पंचों में में मात्र 336 को ही चुनाव लड़ना पड़ा। बाकी के 1809 पंच निर्विरोध जीते। इनकी जीत का प्रतिशत 84.33 रहा, लेकिन दूसरी ओर देखा जाए तो राज्य की राजधानी वाले जिले रायपुर में 6150 पंचों में से 4796 को चुनाव लड़ना पड़ा। बाकी के 1354 पंच ही निर्विरोध जीत पाए।

पंच का चुनाव लड़ना भी शान की बात

छत्तीसगढ़ में चुनाव के सीजन में जो सियासी माहौल बनता है, वह लोगों को चुनाव लड़ने के लिए प्रेरित करता है। यही कारण है कि ग्राम पंचायतों के चुनाव में लोग सबसे पहले खुद को पंच चुनाव में ही आजमाते हैं। गांवों में रहने वाले गरीब, मजदूर, किसान, छोटे-छोटे व्यापारी से लेकर घरेलू महिलाएं तक भी खुद को इस मोह से दूर नहीं नहीं रख पातीं। गांव में पंच का चुनाव लड़ना उनके लिए शान की बात होती है। इसके पीछे वजह ये है कि राज्य के सभी जिलों में कुल मिलाकर 1 लाख 59 हजार 689 पंचों का चुनाव होता है।

जिलों में निर्विरोध पंचों की संख्या और प्रतिशत

जिला	निर्विरोध जीते	जीत का प्रतिशत
बिलासपुर	2706	28.0
मुंगेली	1543	30.11
सूरजपुर	3556	49.76
रायपुर	1354	22.0
दुर्ग	1326	37 69
बस्तर	2635	45.07
नारायणपुर	844	74.75
कांकेर	3139	54.43
दंतेवाड़ा	1409	96.91
सुकमा	1115	52.54
बीजापुर	1809	84.35

69 हजार 504 ने जीता निर्विरोध चुनाव

छत्तीसगढ़ में अगर कुल मिलाकर देखा जाए तो पिछले चुनाव में 69 हजार 504 पंच पद पर प्रत्याशी बिना चुनाव लड़े जीते हैं। जबकि 90 हजार 185 को पंच बनने के लिए चुनाव मैदान में उतरना पड़ा। गांवों में एक ग्राम पंचायत के अधीन एक मुख्य गांव और कुछ आश्रित गांव होते हैं। हर गांव में वार्डों में एक-एक प्रत्याशी पंच के रूप में चुना जाता है। पंचों को मिलाकर ही ग्राम पंचायत बनती है। लिहाजा ग्राम पंचायतों के हर फैसले में पंच की सहमति-असहमति काफी मायने रखती है। गांव से संबंधित हर फैसले पर ग्राम पंचायत की मुहर लगना जरूरी होता है।

टुकुन की नजर से...

पांच मेयरों ने फिर की दावेदारी

कांग्रेस चुनाव समिति तय करेगी नाम

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

नगरीय निकाय चुनाव के लिए 10 नगर निगम के मेयर के लिए चुनाव होना है। इन नगर निगमों में से पांच जगहों पर निवर्तमान मेयर ने दावेदारी की है। नगरीय निकाय चुनाव का कार्यक्रम जारी होने के बाद अब नामांकन का दौर शुरू हो गया है। पार्टी पर अपने प्रत्याशी जल्द तय करने का दबाव है। 28 जनवरी तक नामांकन भरे जाने हैं। कांग्रेस में मेयर पद के दावेदारों से नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत, पूर्व सीएम भूपेश बघेल, पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव और पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज से मुलाकात कर रहे हैं। आरक्षण तय होने के बाद पांच नगर निगम के मेयर इससे बाहर हो गए हैं। वहीं राजनांदगांव से हेमा देशमुख, अंबिकापुर से डॉ. अजय तिर्की, बिलासपुर से रामशरण यादव, रायगढ़ से जानकी काटजू और चिरमिरी से कंचन जायसवाल ने फिर से दावेदारी की है। ये सभी पिछली बार महापौर रह चुके हैं।

कांग्रेस ने मांगे नाम

कांग्रेस ने जिला कांग्रेस कमेटी के माध्यम से मेयर पद के प्रत्याशी बनाने नाम मांगे हैं। पर्यवेक्षकों को प्रभारियों को अपने-अपने नगर निगम और पालिका में महापौर और अध्यक्ष पद के दावेदारों के नाम जिला कांग्रेस के माध्यम से भेजने कहा गया है। संभावित प्रत्याशियों का नाम और पैनल देने कहा गया है। माना जा रहा है कि 26 को प्रदेश चुनाव समिति सभी 10 नगर निगम के लिए महापौर के नामों पर चर्चा कर एक नाम तय करेगी।

पायलट आज आएंगे

कांग्रेस ने प्रत्याशी चयन के संबंध में फार्मूला तय कर दिया है। जिला अध्यक्षों से प्राप्त नामों को पीसीसी को भेजेगी। चुनाव समिति की अनुसंशा के बाद सूची जारी की जाएगी। बताया गया है कि 26 जनवरी को कांग्रेस चुनाव समिति की बैठक प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट की अध्यक्षता में होगी।

राजनांदगांव, अंबिकापुर, बिलासपुर रायगढ़ और चिरमिरी में की दावेदारी

कहां से कौन हैं दावेदार

बिलासपुर नगर निगम के महापौर रामशरण यादव ने एक बार फिर दावेदारी की है। वहीं यहां से अन्य कई नाम सामने आए हैं। इनमें अमित यादव, लक्की यादव, प्रमोद नायक ने भी दावेदारी की है। वहीं राजनांदगांव नगर निगम महापौर हेमा देशमुख के स्थान पर नए चेहरे को मैदान में उतारने की तैयारी कर रही है। यहां से जीतेंद्र मुदलियार, निखिल द्विवेदी और तथागत पांडेय प्रमुख दावेदार हैं। दुर्ग नगर निगम से महापौर रह चुकीं प्रेमलता साहू के अलावा कल्पना देशमुख, जमुना साहू, रामकली यादव दावेदारी कर रही हैं। कोरबा नगर निगम के लिए पूर्व महापौर रेणु अग्रवाल और उषा तिवारी महापौर पद के लिए दावेदार हैं। चिरमिरी नगर निगम के लिए कंचन जायसवाल और डमरू रेड्डी ने दावेदारी की है। अंबिकापुर में डॉ. अजय तिर्की सबसे बड़े दावेदार हैं। यहां पर टीएस की पसंद को तव्वजो दी जा सकती है। रायगढ़ से जानकी काटजू ने दावेदारी की है।

पति-पत्नी दोनों को जनता ने बनाया जनसेवक

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

वार्ड पार्षद का चुनाव सही मायने में जमीन से जुड़े जनसेवा का काम है। लोगों के बीच पहुंचकर उनकी समस्याओं को दूर करने का माद्दा जिसमें भरा होता है, वहीं पार्षद बनकर लंबे समय तक राजनीति में टिका रहता है। नगर निगम के 48 वार्ड में 5 वार्ड ऐसे हैं, जहां पति और पत्नी ने पार्षद बनकर रिकार्ड बनाया है।

आरक्षण के चलते पत्नियों को मैदान में उतरना पड़ा और उसमें वे कामयाब भी हुए। वीर सावरकर और भगतसिंह अगल-बगल के वार्ड हैं, उन दोनों ही वार्ड में लगातार भाजपा का कब्जा रहा है। वीरसावरकर वार्ड से राणा घोष और उनकी पत्नी रीना घोष तथा भगतसिंह वार्ड से खेम देवांगन एवं दयावती देवांगन ने 5-5 बार लगातार पार्षद रहकर रिकार्ड बनाया है। राणा घोष 4 बार और रीना घोष एक बार। वहीं खेम देवांगन 2 बार और दयावती देवांगन 3 बार पार्षद बनी। इस बार यह दोनों वार्ड अनारक्षित है, इसलिए राणा घोष और खेम देवांगन फिर से भाजपा से चुनाव लड़ने के लिए दावेदार हैं। पं. दीनदयाल उपाध्याय वार्ड से सुरेश गुप्ता लगातार 2 बार और उनकी पत्नी सविता गुप्ता एक बार पार्षद बनी है। इस बार ओबीसी कार्ड चला तो सुरेश गुप्ता महापौर के दावेदार है या फिर सामान्य को टिकट मिला तो इस वार्ड से उनका पार्षद चुनाव लड़ना तो पक्का है। बीजेपी ने लगातार उनकी सक्रियता को देखते हुए दोनों को टिकट दिया है। महारानी वार्ड अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित है। यहां से मानिकराम नाग भाजपा से टिकट के दावेदार हैं। पिछले चुनाव में वे कांग्रेस से पार्षद बने थे। कुछ समय पहले महापौर सफिरा साहू के साथ भाजपा में शामिल होने वाले 6 पार्षदों में वे भी शामिल थे। उनकी पत्नी नीलम नाग 2004 में भैरमदेव वार्ड से पार्षद बनी थी, इस तरह मानिकराम 2 बार नीलम एक बार पार्षद बनी। वहीं अटलबिहारी वाजपेयी वार्ड से अतुल कौशल और उनकी पत्नी जीतमणी कौशल पार्षद रह चुके हैं। अब 2025 के चुनाव में खुद की सीट आरक्षित होने से गांधीनगर वार्ड के कांग्रेस पार्षद विक्रम सिंह डांगी और दंतेश्वरी वार्ड से भाजपा पार्षद राजपाल कसेर अपनी पत्नियों को लड़ाने के लिए पार्टी के समक्ष दावेदारी किए हैं।

शहर के 5 वार्ड में एक ही परिवार का वर्चस्व

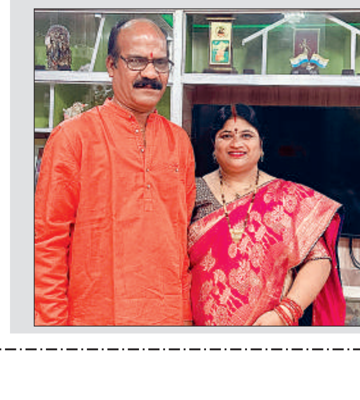

रायपुर
रविवार, 26 जनवरी 2025
माघ कृष्ण पक्ष द्वादशी
वर्ष : 23, अंक : 191
पृष्ठ : 12+12 = 24 मूल्य : 5 .00**
मौसम
अधि. 31.8
न्यून. 17.5
haribhoomi.com

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

यह तो हद है... मिलावट का पहला मामला, 23 क्विंटल गुड़ बरामद

गुड़ में स्टोन का डस्ट...कवर्धा में पकड़ाई फैक्ट्री, 310 क्विंटल पावडर जब्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर/कवर्धा

खास खबर

पनीर, दूध, मसाले, तेल या घी में मिलावट का खेल पुराना है। इस तरह के मामले सामने आते रहते हैं, लेकिन छत्तीसगढ़ में पहली बार गुड़ में स्टोन का डस्ट (पावडर) मिलाने का गोरखधंधा सामने आया है। खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम ने कवर्धा के जंगलपुर से 23 क्विंटल मिलावटी गुड़ तथा 310 क्विंटल स्टोन पावडर बरामद किया गया है। मिलावट का यह खेल गुड़ का वजन और शीरा बढ़ाने के लिए किया जाता था।

बरामद किए गए गुड़ और 620 बोरी में भरे स्टोन पावडर की कीमत 28 लाख 37 हजार रुपए आंकी गई है। मां दुर्गा गुड़ उद्योग हलधर चंद्रवंशी की है जो काफी समय से निजी लाभ के लिए लोगों के किडनी को डैमेज करने वाला गुड़ तैयार कर बाजार में खपाता था। खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम को सूचना मिली थी गुड़ में मिलावट किया जा रहा है इस आधार पर उनके द्वारा इससे संबंधित उद्योग पर नजर रखा जा रहा था। राज्य में छोटे-बड़े करीब छह सौ गुड़ उद्योग हैं जिसमें से चार सौ का संचालन कबीरधाम जिले में किया जाता है। सूचना के आधार पर विभागीय टीम ने मां दुर्गा गुड़ उद्योग जंगलपुर तहकुंडा में छापेमारी की। वहां गुड़ बनाने काम काम चल रहा था और मिलावट का खेल भी जारी था। जांच टीम को फैक्ट्री में 620 बोरियों में भरा सफेद पावडर मिला जो मार्बल के कटिंग के दौरान एकत्रित किया जाता है। इसके अलावा फैक्ट्री में पीपे में भरकर रखे 23 क्विंटल गुड़ भी मिला जिसे जब्त किया गया है और जांच के लिए सैंपल लिया गया है। विभागीय अधिकारियों का दावा है कि प्रदेश में गुड़ में मिलावट का यह मामला है। गुड़ का वजन बढ़ाने और शीरा के साथ चमक बढ़ाने के लिए उसमें सफेद पावडर मिलाया जाता था जिसे उत्तरप्रदेश से मंगाया जाता था।

किडनी को करता है प्रभावित

स्टोन पावडर सीधे-सीधे किडनी को प्रभावित करता है। खाद्य पदार्थ के लगातार सेवन के दौरान यह जाकर किडनी में जम जाता है जिससे उसकी क्षमता प्रभावित होती है। इसके अलावा इसका उपयोग अन्य तरह की बीमारियों का कारण भी बन जाता है।

- डॉ. हेमंत शर्मा
उपअधीक्षक डीके अस्पताल

सैंपल लिया गया

खाद्य पदार्थ में मिलावट को रोकने सख्ती बरती जा रही है। पहली बार गुड़ में स्टोन पावडर मिलाने का मामला सामने आया है। विभागीय टीम ने कार्रवाई के बाद स्टोन पावडर और मिलावटी गुड़ जब्त किया है। जांच के लिए सैंपल लिए गए हैं जिसकी रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

- नितेश मिश्रा, सहायक आयुक्त खाद्य एवं औषधि प्रशासन

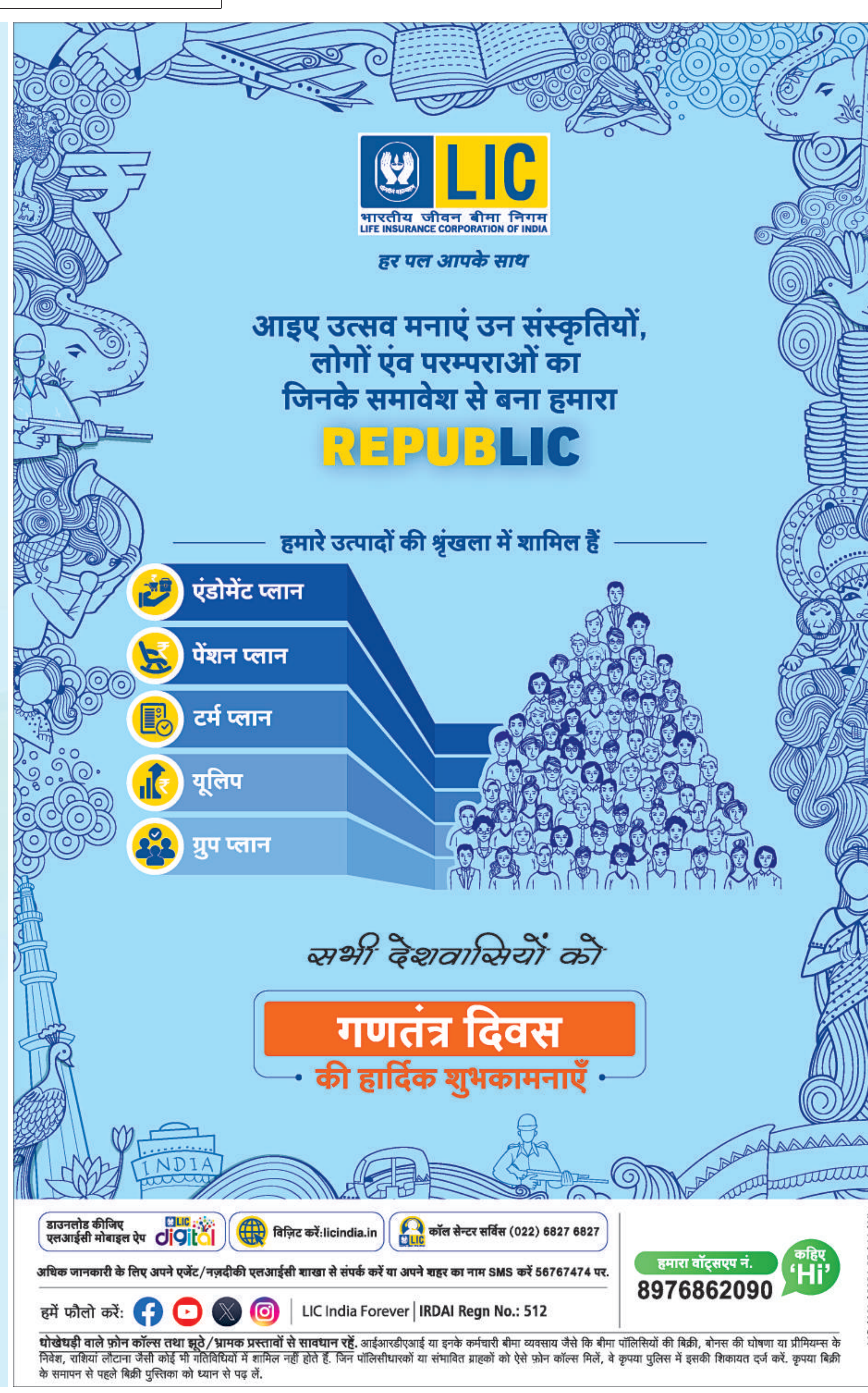

भारत आज 26 जनवरी को अपना 76वां गणतंत्र दिवस मना रहा है। यह भारत के गणतंत्र की सफल यात्रा है। गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर शनिवार को राष्ट्र को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि भारत औपनिवेशिक मानसिकता से मुक्त हो रहा है। गुलामी के प्रतीकों से बाहर आ रहा है। भारतीय दंड संहिता में बदलाव इसी दिशा में कदम है। राष्ट्र अमृतकाल में है और वर्ष 2047 तक विकसित बनने के प्रति कृतसंकल्पित है। लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ कराने संबंधी सरकार की पहल दूरदर्शिता का एक प्रयास है। 26 जनवरी 1950 को संविधान लागू होने अब तक 76 वर्ष में भारत ने कृषि, उद्योग, इन्फ्रास्ट्रक्चर, शिक्षा, स्वास्थ्य, विज्ञान, अंतरिक्ष, डिजिटल, सेवा आदि समेत सभी क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। हालांकि गरीबी उन्मूलन, आर्थिक असमानता, जातिवाद व महिला सशक्तिकरण समेत अनेक क्षेत्र में बहुत कुछ किया जाना बाकी है। इस बार इंडोनेशिया के राष्ट्रपति गणतंत्र दिवस पर मुख्य अतिथि हैं, पहले गणतंत्र दिवस पर भी इंडोनेशिया के तत्कालीन राष्ट्रपति मुख्य अतिथि थे। भारत गणतंत्र दिवस पर किसी एक विदेशी राष्ट्र प्रमुख को मुख्य अतिथि बनाता रहा है। इस दिन राजधानी दिल्ली में भारत अपने सामरिक सामर्थ्य का प्रदर्शन भी करता है। गणतंत्र दिवस की महत्ता पर प्रकाश डालता आजकल का यह अंक...

प्रगति पथ पर हमारा गणतंत्र

गणतंत्र दिवस
अरविंद जयतिलक
वरिष्ठ स्तंभकार

आज ही के दिन 26 जनवरी 1950 को भारत राष्ट्र ने संसार को एक नए गणराज्य के गठन की सूचना दी। अपने संविधान को अमल में लाया। देश में संविधान का शासन है और संसद सर्वोच्च है। देश की आजादी के उपरांत हमारा उद्देश्य एक शक्तिशाली, स्वतंत्र और जनतांत्रिक भारत का निर्माण करना था। ऐसा भारत जिसमें सभी नागरिकों को विकास और सेवा का समान अवसर मिले। ऐसा भारत जिसमें जातिवाद, क्षेत्रवाद, भाषावाद, आतंकवाद, नक्सलवाद, छुआछूत, हठधर्मिता और मनुष्य द्वारा मनुष्य के शोषण के लिए स्थान न हो। इसीलिए हमारे संविधानविदों ने संविधान गढ़ते वक्त दुनिया के बेहतरीन संविधानों से अच्छे प्रावधानों को ग्रहण किया।

आज भारत राष्ट्र अपना 76वां गणतंत्र दिवस मना रहा है। आज ही के दिन 26 जनवरी 1950 को भारत राष्ट्र ने संसार को एक नए गणराज्य के गठन की सूचना दी। अपने संविधान को अमल में लाया। उस संविधान की भावना के अनुरूप ही भारत एक प्रभुता संपन्न गणतंत्रात्मक धर्मनिरपेक्ष समाजवादी राज्य बना। देश में संविधान का शासन है और संसद सर्वोच्च है। आजादी के उपरांत हमारा उद्देश्य एक शक्तिशाली, स्वतंत्र और जनतांत्रिक भारत का निर्माण करना था। ऐसा भारत जिसमें सभी नागरिकों को विकास और सेवा का समान अवसर मिले। ऐसा भारत जिसमें जातिवाद, क्षेत्रवाद, भाषावाद, आतंकवाद, नक्सलवाद, छुआछूत, हठधर्मिता और मनुष्य द्वारा मनुष्य के शोषण के लिए स्थान न हो। इसीलिए हमारे संविधानविदों ने संविधान गढ़ते वक्त दुनिया के बेहतरीन संविधानों से अच्छे प्रावधानों को ग्रहण किया। मसलन ब्रिटेन से संसदीय प्रणाली ग्रहण की। यूएस के संविधान से मौलिक अधिकार, सर्वोच्च न्यायालय, कनाडा के संविधान से राज्यों का संघ होना, आयरलैंड के संविधान से राज्य-नीति के निर्देशक सिद्धांत, आस्ट्रेलिया के संविधान से समवर्ती सूची, जर्मनी के संविधान से राष्ट्रपति की संकटकालीन शक्ति स्रोत तथा दक्षिण अफ्रीका के संविधान से संवैधानिक संशोधन की प्रक्रिया जैसी महत्वपूर्ण बातें ग्रहण की। गौर करें तो भारतीय संविधान की यह सभी विशेषताएं भारतीय संविधान को उदारवादी और विकासवादी बनाती हैं।

सभी नागरिकों को समान अधिकार

भारतीय संविधान भारत में सभी नागरिकों को ढेरों अधिकार देता है जिससे उन्हें अपने व्यक्तित्व को संवारने की आजादी मिली हुई है। भारतीय संविधान में जाति, धर्म, रंग, लिंग, कुल, गरीब व अमीर आदि के आधार सभी समान है। जनमत पर आधारित भारतीय संविधान ने संसदीय शासन प्रणाली में सभी वर्गों को समान प्रतिनिधित्व प्रदान किया है। संविधान ने राज्य के लोगों की स्वतंत्रता व उनके अधिकारों में अनुचित हस्तक्षेप करने का अधिकार केंद्र या राज्य सरकारों को नहीं दिया है।

संविधान के तहत राजनीतिक दल सभाओं, भाषणों, समाचारपत्रों, पत्रिकाओं तथा अन्य संचार माध्यमों से जनता को अपनी नीतियों और सिद्धांतों से अवगत कराते हैं। विरोधी दल संसद में मंत्रियों से प्रश्न पूछकर, काम रोको प्रस्ताव रखकर तथा वाद-विवाद द्वारा सरकार के भूलों को प्रकाश में लाते हैं। सरकार की गतिविधियों पर कड़ी नजर रखते हुए उसकी नीतियों और कार्यों की आलोचना करते हैं। भारतीय संविधान के मुताबिक संघीय शासन की स्थापना के बावजूद भी प्रत्येक नागरिक को इकहरी या एकल नागरिकता प्राप्त है और इससे राष्ट्र की भावनात्मक एकता की पुष्टि होती है। भारत का प्रत्येक नागरिक चाहे वह देश के किसी भी भाग में रहे भारत का ही नागरिक है। यहां संयुक्त राज्य अमेरिका की तरह राज्यों की कोई पृथक नागरिकता नहीं है।

नागरिकों को सूचना प्राप्ति का अधिकार

धर्म या भाषा पर आधारित सभी अल्पसंख्यक वर्गों को अपनी इच्छानुसार शिक्षण संस्थाएं स्थापित करने तथा धन का प्रबंध करने का अधिकार है। संविधान में सुनिश्चित किया है कि शिक्षण-संस्थाओं को सहायता देते समय राज्य किसी शिक्षण संस्था के साथ इस आधार पर भेदभाव नहीं करता है कि वह संस्था धर्म या भाषा पर आधारित किसी अल्पसंख्यक वर्ग के प्रबंध में है। इसी तरह भारतीय नागरिकों को सूचना प्राप्त करने का अधिकार हासिल है। इस व्यवस्था ने भारतीय नागरिकों को शासन-प्रशासन से सीधे सवाल-जवाब करने की नई लोकतांत्रिक धारणा को जन्म दी है। इस व्यवस्था से सरकारी कामकाज में सुशासन, पारदर्शिता और उत्तरदायित्व बढ़ा है जिससे आर्थिक विकास को तीव्र करने, लोकतंत्र की गुणवत्ता बढ़ाने और भ्रष्टाचार को नियंत्रित करने में मदद मिल रही है। सूचना के अधिकार से सत्ता की निरंकुशता पर भी अंकुश लगा है। भारत का तीव्र गति से विकास हो रहा है और उसकी सामाजिक-सांस्कृतिक विविधता भी बनी हुई है। आज भारत ब्रिटेन को पछाड़कर दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश बन चुका है। आज भारत जी-20 देशों में सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था वाला देश बन चुका है।

देश हर क्षेत्र में कर रहा प्रगति

सबसे ज्यादा इंटरनेट यूजर्स के मामले में भारत दूसरे स्थान पर है। भारत तीसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता बाजार है। इनोवशन इंडेक्स में भारत की रैंकिंग लगातार सुधर रही है। देश में यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस यानी यूपीआई के जरिए लेन-देन बढ़ा है। एसबीआई के इकॉनोमिक रिसर्च डिपार्टमेंट की रिपोर्ट के मुताबिक यूपीआई लेन-देन की मात्रा वित्त वर्ष 2024 में 247 लाख करोड़ के पार पहुंच गयी है। विनिर्माण क्षेत्र में ग्रोथ से भारत के निर्यात में भी लगातार बढ़ोत्तरी हो रही है। बीते दस वर्षों में 120 अरब डॉलर से ज्यादा की नई कंपनियां अस्तित्व में आई हैं। आज इनका मूल्य 15 लाख करोड़ रुपये से अधिक है। गत वर्ष पहले नीति आयोग के डिस्कशन पेपर 'मल्टीडाइमेंशनल पॉवर्टी इन इंडिया सिंस की रिपोर्ट से खुलासा हुआ कि 2013-14 से 2022-23 के बीच 24.82 करोड़ लोग मल्टीडाइमेंशनल गरीबी से बाहर निकले हैं। केंद्र सरकार भूख की गरीबी को खत्म करने के लिए पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना संचालित कर रही है जिसके जरिए देश के 81.44 करोड़ लोगों को पांच किलोग्राम खाद्यान्न दिया जा रहा है। उज्जवला योजना के अंतर्गत दस करोड़ लोगों को लाभ पहुंचा है। इसी तरह प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 4 करोड़ से अधिक लोगों को आवास दिया जा चुका है। साढ़े पांच करोड़ से अधिक लोग आयुष्मान कार्ड हासिल कर चुके हैं। जनधन खाताधारकों की संख्या 53.1 करोड़ के पार पहुंच चुकी है जिसमें 80 प्रतिशत महिलाओं की भागीदारी है। इन खातों में 2.3 लाख करोड़ से अधिक की धनराशि जमा है और 35 करोड़ रुपे कार्ड जारी किया गया है। भारतीय गणतंत्र ने अपने क्षेत्र में प्रगति की है, लेकिन अभी भी अनेक क्षेत्र में बहुत कुछ किया जाना बाकी है। असमानता मिटाना बड़ा लक्ष्य है।

ब्रिगेडियर सावंत थे गणतंत्र दिवस परेड की आवाज

यादें
गीता शुक्ला
स्वतंत्र पत्रकार

आज गणतंत्र दिवस परेड को लाखों लोग राजधानी में कर्तव्यपथ से गुजरते हुए देखेंगे। इसी तरह से करोड़ों भारतीय परेड को अपने टीवी सेटों पर देखेंगे। पर इस बार टीवी पर परेड को देखने वालों को परेड का आंखों देखा हाल ब्रिगेडियर चितरंजन सावंत से सुनने को नहीं मिलेगा। उन्होंने 1980 से लेकर 2023 तक गणतंत्र दिवस परेड का आंखों देखा हाल सुनाया था। ब्रिगेडियर चितरंजन सावंत जब रेडियो या टीवी पर गणतंत्र दिवस परेड का आंखों देखा हाल सुनाते हुए भारतीय सेना के तीन अंगों और अर्धसैनिक बलों की शौर्य गाथाओं को दर्शकों तक पहुंचाते थे, तो रोंगटे खड़े हो जाते थे। ब्रिगेडियर सावंत का पिछले साल निधन हो गया था। ब्रिगेडियर सावंत अपनी आवाज से दृश्यों को रचने में माहिर थे। वे जब सारे वातावरण को सुनने वालों के सामने पेश करते थे तब सुनने वालों को लगता था कि वह भी गणतंत्र दिवस को राजपथ या लाल किले से देख रहे हैं। उनकी कमेंट्री कभी नीरस या बोझिल नहीं होती थी। माफ कीजिए, ब्रिगेडियर सावंत उन कमेंटेटरों में से नहीं थे जो यही बताते हैं कि राजपथ पर अब सेना के किस रेजीमेंट की टुकड़ी आ रही है या इसकी कमान किसके पास है। वे इससे कहीं आगे जाया करते थे। उन्हें सुनने के बाद श्रोता उनसे हमेशा के लिए जुड़ते थे। प्रख्यात समाचार वाचक देवकीनंदन पांडे कहते थे कि श्रेष्ठ कमेंटेटर की भाषा ऐसी होनी चाहिए जो दर्शकों को आसानी से समझ में आए। उन्हें जटिल शब्दों और वाक्यों से बचना चाहिए। उन्हें शब्दों का सही उच्चारण करना चाहिए ताकि सुनने वालों को समझने में कोई दिक्कत न हो। इस लिहाज से ब्रिगेडियर सावंत बेजोड़ थे। वे एक ही तरह की भाषा का प्रयोग करने से बचते थे।

भाषा में लाते थे विविधता

वे आंखों देखा हाल सुनाते हुए अपनी भाषा में विविधता लाते थे और मुहावरों का प्रयोग करते थे। जब गणतंत्र दिवस परेड में सेना की टुकड़ियां कर्तव्यपथ (पहले राजपथ) पर आनी शुरू होती थीं तब कमेंट्री की कमान ब्रिगेडियर सावंत के पास हुआ करती थीं। उसके बाद वे अपनी धीर-गंभीर आवाज में सेना की टुकड़ियों की उपलब्धियों, इतिहास, नायकों वगैरह पर बोला करते थे। सेना और देश की समरनीति पर उनकी जानकारी का कोई सानी नहीं था। याद नहीं आता कि ब्रिगेडियर सावंत ने कमेंट्री सुनाते नुक्ते के प्रयोग से लेकर शब्दों के उच्चारण में कभी कोई चूक की हो। उन्हें पता था कि कमेंटेटर को परेड को एक कहानी की तरह प्रस्तुत करना चाहिए, जिससे दर्शकों को खेल में रुचि बनी रहे। उनकी कमेंटरी सुनकर उनका दर्शकों के साथ एक मजबूत रिश्ता बन जाता था।

चीनी भाषा के भी रहे विद्वान

वे भारत के स्वाधीनता आंदोलन के गहरे जानकार भी थे। उन्होंने कई बार स्वाधीनता समारोह की भी कमेंट्री की। वे चीनी भाषा के भी विद्वान थे। भारतीय सेना ने उन्हें 1962 में चीन से युद्ध के बाद चीनी भाषा को सीखने के लिए अमेरिका भेजा था। उनकी आवाज का उतार-चढ़ाव सर्वोत्तम हुआ करता था। ब्रिगेडियर सावंत ने ख्वाबों में भी कभी नहीं सोचा था कि वे एक दिन-रेडियो कमेंट्री करेंगे। दरअसल सन 1934 में अयोध्या में जन्में ब्रिगेडियर सावंत इलाहाबाद यूनिवर्सिटी से इंग्लिश लिटलेचर में एम.ए करने के बाद शिक्षक बन गए थे। दो साल तक पढ़ाया भी। पर उनका लक्ष्य तो सेना में नौकरी करने का था। सेना के अनुशासन और सैनिक की ड्रेस उन्हें बहुत प्रभावित करती थी। उन्हें शिक्षक रहते हुए इंडियन मिलिट्री एकाडमी (आईएमए) की परीक्षा को पास करने के बाद भारतीय सेना को ज्वाइन कर लिया। इस तरह उनका जीवन का जीवन का एक बड़ा सपना साकार हो गया। तीन साल के बाद वे 1962 में चीन के खिलाफ बहादुरी से लड़ रहे थे। उसके बाद वे 1965 और 1971 के युद्ध में भी रणभूमि में दुश्मन के दांत खट्टे कर रहे थे। ब्रिगेडियर सावंत सेना में रहते हुए अपनी यूनिट के कार्यक्रमों का इंग्लिश और हिंदी में संचालन करते थे। उनका दोनों भाषाओं पर नियंत्रण दर्शकों को प्रभावित भी करता था। पर उन्होंने कभी कमेंटेटर के रूप में ख्याति पाने के बारे में सोचा नहीं था।

फौजी भाइयों का कार्यक्रम

हालांकि 1971 में आकाशवाणी ने भारतीय सेना पर एक कार्यक्रम शुरू किया। उसका नाम था ' फौजी भाइयों का कार्यक्रम'। उस कार्यक्रम को पेश करने के लिए सेना ने उनका नाम आकाशवाणी में भेजा। वहां पर रहते हुए वे मंजे हुए ब्राडकास्टर बन गए। दूरदर्शन शुरू हुआ तो उन्हें वहां भी सेना के कार्यक्रमों को संचान के लिए बुलाया जाने लगा। ब्रिगेडियर सावंत ने 1980 से 1997 तक लगातार दूरदर्शन के लिए गणतंत्र दिवस परेड का आंखों देखा हाल सुनाया। बाद में कई प्राइवेट खबरिया चैनलों के लिए गणतंत्र दिवस की कमेंट्री सुनाते रहे। ब्रिगेडियर सावंत ने भारत छोड़ो आंदोलन और सेना से जुड़ी दर्जनों फिल्मों के लिए भी कमेंट्री की। बेशक, हरेक गणतंत्र दिवस पर ब्रिगेडियर चितरंजन सावंत की समृद्ध करने वाली कमेंट्री याद आती रहेगी।

प्रेरणापुंज चौधरी मित्रसेन आर्य : एक जीवंत आदर्श

पुण्यतिथि
सहदेव समर्पित

देश-दुनिया में ऐसे और भी ऐसे व्यक्तित्व हमें मिल जाएंगे, जिन्होंने अलग-अलग क्षेत्रों में अपना एक विशेष स्थान बनाया, लेकिन ऐसे बहुत कम मिलेंगे, जिन्होंने ख्याति से दूर रहकर अपनी पूंजी का एक अहम हिस्सा समाज की भलाई के लिए खर्च किया। परममित्र मानव निर्माण संस्थान के संस्थापक चौधरी मित्रसेन आर्य चौधरी मित्रसेन ने उड़ीसा, झारखंड, छत्तीसगढ़ समेत देश के कई राज्यों में अपने उधम स्थापित किए और आदिवासी क्षेत्रों में अनेक गुरुकुलों की स्थापना की ताकि गरीब परिवार के बच्चों को वहां निशुल्क शिक्षा, आवास और भोजन उपलब्ध करवाया जा सके। ऐसा शायद ही कोई गुरुकुल, कोई आर्य संन्यासी, आर्य विद्वान और उपदेशक रहा होगा, जिसका उन्होंने आर्थिक सहयोग न किया हो। ऐसे कई उदाहरण हैं, जब उन्होंने अपने साथ काम करने वाले व्यक्ति को मित्र मानते हुए निस्वार्थ भाव से जरूरत पड़ने पर मदद की।

चौधरी मित्रसेन आर्य का जीवन एक दृढ़ ईश्वर विश्वासी व्यक्ति के सफल संघर्ष की एक पौराणिक आख्यान जैसी कथा है, जिनके जीवन का सूत्र रहा- ईश्वर विश्वास, शुभ संकल्प और पुरुषार्थ। आपने जीवन में संघर्ष किया तो हंसते हंसते, जीवन में कठिनाइयों का सामना किया तो माथे पर शिकन तक न आई, जीवन में सफलताएं मिलीं तो उनको ईश्वर का प्रसाद समझकर ग्रहण किया। सफलता की ऊँचाइयों को छूकर भी न तो आपकी जीवन शैली बदली और न ही व्यवहार। देश के धनी, सम्मानित व्यक्तियों ने आपकी प्रतिभा को देखकर आपको सम्मान दिया, पर ऊँची श्रेणी के नेताओं, बुद्धिजीवियों, उद्योगपतियों, नेताओं में बैठकर भी मित्रसेन के अन्दर के इंसान को अहंकार छू भी नहीं पाया। वो एक मेहनतकश वेदप्रचारक का बेटा होकर समाज के छोटे से छोटे, असहाय, दीन, निर्बल व्यक्ति को सहारा देने के लिए सदैव तत्पर रहे। वे महान पिता और एक श्रद्धालु पुत्र थे। गृहस्थों के लिए आदर्श थे। संन्यासियों के प्रतिष्ठापात्र थे। चौ. मित्रसेन का आशीर्वाद पाने के लिए जहां स्थान-स्थान पर युवक और वृद्ध लालायित रहते थे, उन्हीं मित्रसेन की संन्यासियों, विद्वानों और महात्माओं के प्रति विनम्रता भी देखते ही बनती थी।

संसार में उद्योगपतियों की और धनिकों की कोई कमी नहीं है। ऐसे लोग भी मिल जाएँगे जिन्होंने अपनी प्रतिभा और योग्यता के बल पर बहुत सफलताएं प्राप्त की हैं, पर ऐसे लोग अवश्य ही इस संसार में बहुत कम हैं, जिन्होंने सफलता प्राप्त करने के लिए अपने आदर्शों को नहीं छोड़ा। यही चौधरी मित्रसेन के जीवन की अन्यतम विशेषता है कि उन्हें केवल एक सफल उद्योगपति के रूप में ही नहीं जाना जाता अपितु एक सद्गृहस्थ, दानवीर, आदर्शवादी, आर्यसमाजी नेता और एक संवेदनशील इंसान के रूप में जाना जाता है।

चौधरी मित्रसेन हरियाणा के प्रमुख परिवार से संबंध रखते थे। हिसार जिले के खांडाखेड़ी गांव में जन्म हुआ। वे सतरावल खाप के मुखिया कल्ली के खानदान में उत्पन्न हुए। आपके परदादा चौधरी राजमल जैलदार हरियाणा के आर्यसमाज के नेता, स्वतंत्रता संग्राम के सेनानी, ग्राम उत्थान के प्रणेता और महान समाज सुधारक वीर पुरुष थे। जिन्होंने महात्मा हंसराज, लाला लाजपतराय, स्वामी श्रद्धानन्द, पं. लखपतराय, डॉ. रामजीलाल हुड्डा, लाला चन्दूलाल, सरदार किशनसिंह व सरदार अजितसिंह, भाई परमानन्द, भगतसिंह, बलराज आदि देशभक्तों के साथ मिलकर राष्ट्रीय उत्थान के कार्य किए। आपके चाचा चौधरी मामनसिंह हरियाणा के महात्मा हंसराज कहलाए जाने वाले मास्टर बलदेव सिंह जी के साथी थे। उन्होंने अनेक शिक्षण संस्थाओं में निःशुल्क अध्यापन कार्य किया। आपके पिता चौधरी शीशराम आर्य कृषि के द्वारा आजीविका उपार्जन करते हुए भी आर्यसमाज का आर्य प्रतिनिधि सभा सिंध बिलोचिस्तान के माध्यम से निःशुल्क प्रचार करते थे।

चौधरी मित्रसेन का जन्म विशुद्ध आर्यसमाजी वातावरण में हुआ। अपने पूज्य पिताजी की प्रेरणा से आपकी जीवन शैली प्रारम्भ से ही गुरुकुलीय रही। ईश्वरोपासना, सम्मिलित पारिवारिक यज्ञ, अतिथि सत्कार, परोपकार और प्राणिमात्र के हित की भावना आपके स्वभाव में सम्मिलित थी। 1948 में आपका विवाह हुआ। आपकी सहधर्मिणी श्रीमती परमेश्वरी देवी जी ने आपके यज्ञमय जीवन में समिधा बनकर काम किया। यह सद् गृहस्थ संघर्ष में रहा हो या सफलता में- कभी भी इन्होंने ईश्वर विश्वास और यज्ञीय भावना को नहीं छोड़ा।

जीवन में कई बार ऐसे अवसर आए जब किसी के थोड़े से नुकसान से आपको बहुत लाभ हो सकता था। हिसार के एक वर्कशॉप में काम करते हुए एक बार 250 रुपये मासिक की नौकरी को लात मार दी क्योंकि वहां नौकरी करने से एक सरदार जी को नौकरी से निकाला जा रहा था। आपकी परोपकार की भावना के कारण ही आज परममित्र मानव निर्माण संस्थान के माध्यम से देश के अनेक भागों मंत विशेषकर वनवासी क्षेत्रों में शिक्षा, चिकित्सा और सेवा के महान कार्य सम्पन्न हो रहे हैं। चौधरी मित्रसेन कहते थे, 'हमने जीने का ये तरीका अपनाया कि जो कमजोर हैं और सहायता के पात्र हैं, उनको सहयोग देना है। किसी का बुरा नहीं सोचना है। कमजोर के दोष नहीं देखने हैं। उसके लिए अच्छा सोचना है। यह अपेक्षा करनी है कि उसके परिवार का हित हो जाए।

शुभ संकल्प और पुरुषार्थ आपके जीवन का

मूल मंत्र रहा। व्यवसाय के प्रारम्भिक दिनों में, जहां भी काम किया अपने सद्व्यवहार और कार्यनिष्ठा की छाप छोड़ी। आपने प्रत्येक कार्य को एक चुनौती के रूप में लिया और पूरा किया। उड़ीसा में तो व्यावसायिक क्षेत्र में एक किंवदन्ती ही बन गई कि जो काम कोई और नहीं कर सकता उसे हरियाणा वाले चौधरी कर सकते हैं। चौधरी मित्रसेन आर्य के अनुसार सफलता का मूलमंत्र है- उस ईश्वरीय सत्ता को स्वीकार करते हुए सच्चे मन से हँसते हँसते पुरुषार्थ करना। कर्महीनता और आलस्य को आप सबसे बड़ा अपराध मानते थे।

वेद में कहा है, कृषिमित् कृषस्व अक्षैर्मा दिव्य। कृषि कर, जुआ मत खेल। चौ. मित्रसेन चाहे उड़ीसा में रहे, चाहे बिहार, झारखण्ड में, चाहे व्यवसाय की बुलंदियों पर, पर अपनी जड़ों को नहीं भूले। इसी भावना का परिणाम सिंधु फार्म है, जो इस बात का प्रतीक है कि पुरुषार्थ के बल पर बंजर को भी गुलजार बनाया जा सकता है। योजनापूर्ण वैज्ञानिक कृषि के लिए मित्रसेन आर्य को भारत सरकार द्वारा प्रतिष्ठित 'कृषि विशारद'पुरस्कार से सम्मानित किया गया। हरियाणा सरकार भी इस विषय में आपको सम्मानित कर चुकी है।

एक देशभक्त समाजसेवी परिवार में जन्म लेने के कारण स्वभावतः ही चौ. मित्रसेन आर्य का सामाजिक क्षेत्र अति विस्तृत था। रोहतक में औपचारिक रूप से आर्यसमाज से जुडऩे के बाद जहाँ भी रहे आर्यसमाज की गतिविधियों में पूरे मन के साथ भाग लिया और अनेक उच्च पदों को सुशोभित किया। 1957 में आर्यसमाज द्वारा हिन्दी रक्षा आन्दोलन छेड़ा गया। अपने बढिय़ा चलते व्यवसाय को छोडक़र आन्दोलन भाग लेते हुए जेलयात्रा की। उड़ीसा में रहे तो आर्यसमाज भुवनेश्वर के प्रधान पद पर रहे। यहीं पर आर्यसमाज के महान संन्यासी स्वामी सत्यप्रकाश सरस्वती की प्रेरणा से गुरुकुल आमसेना की ओर विशेष ध्यान दिया। आपका वरदहस्त पाने के बाद यह गुरुकुल भारतवर्ष की गिनी चुनी संस्थाओं में से एक बन गया जो वनवासी क्षेत्र में शिक्षा और धर्मरक्षा के क्षेत्र में अतुल कार्य कर रहा है। स्वामी धर्मानन्द जी के सान्निध्य में यहाँ अनेक सेवा प्रकल्प चल रहे हैं। चौधरी मित्रसेन महर्षि दयानन्द द्वारा स्थापित परोपकारिणी सभा अजमेर के उपप्रधान, आर्य प्रतिनिधि सभा हरियाणा के संरक्षक, सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के कोषाध्यक्ष व अंतरंग सदस्य आदि पदों पर कार्य करते रहे। स्वामी रामदेव जी के भारत स्वाभिमान के आन्दोलन के प्रमुख मार्गदर्शकों में चौधरी मित्रसेन आर्य थे। आर्यसमाज के महान नेताओं स्वामी स्वतंत्रानन्द, स्वामी सर्वदानन्द, स्वामी सर्वानन्द, स्वामी ओमानन्द, स्वामी जगदीश्वरानन्द, स्वामी इन्द्रवेश आदि के अत्यंत निकट संपर्क में रहे। परममित्र मानव निर्माण संस्थान के माध्यम से देश की अनेक बड़ी संस्थाओं का संचालन किया। व्यावसायिक दायित्त्व यद्यपि अपने सुपुत्रों को सौंप चुके थे, तथापि आपके मार्गदर्शन में व्यावसायिक क्षेत्र ने भारत से बाहर मलयेशिया और यूरेशिया आदि देशों में भी विस्तार प्राप्त किया।

चौधरी मित्रसेन द्वारा स्थापित, संचालित और संपोषित संस्थाएँ देश भर में सामाजिक उत्थान के कार्य कर रही हैं। उड़ीसा में आमसेना गुरुकुल के अलावा कन्या गुरुकुल आमसेना, गुरुकुल योगाश्रम नरसिंहनाथपुर, आदिम गुरुकुल आश्रम कुन्दली, माता परमेश्वरी देवी कन्या छात्रावास एवं विद्यालय सुनाबेड़ा, शांतिवन आश्रम टांगरपाली बरगड़, वैदिक गुरुकुल आश्रम, पिंछाबणियां, स्वामी ओमानन्द वैदिक छात्रावास कनुआंगा, फुलवाणी, गुरुकुल वेदव्यास राऊरकेला, छत्तीसगढ़ में उच्चतर प्राथमिक विद्यालय, तोलमा, रायगढ़, श्री जगन्नाथ उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, दमऊधारा, परम मित्र आर्ष विद्यापीठ एवं योग शिक्षण संस्थान, गेरवानी, रायगढ़, आर्ष ज्योति गुरुकुल आश्रम, कोसरंगी, महासमुन्द आदि संस्थाएँ आर्ष विद्या का प्रचार कर रही हैं। इनके अतिरिक्त शांति आश्रम लोहरादगा, झारखण्ड, आर्ष ज्योतिर्मठ गुरुकुल, पौंधा, देहरादून, श्रीमद्दयानन्द वेद विद्यालय, नई दिल्ली, गुरुकुल यमुनातट, मंझावली फरीदाबाद में आपका विशेष योगदान रहा है। परममित्र मानव निर्माण संस्थान के तत्त्वावधान में आधुनिक शिक्षा के लिए हरियाणा में इण्डस शिक्षण संस्थानों के अतिरिक्त दिल्ली पब्लिक स्कूल बिलासपुर, दिल्ली पब्लिक स्कूल, दुर्ग (छत्तीसगढ़) डिफेंस पब्लिक स्कूल, दिल्ली, परममित्र आर्य कन्या विद्या निकेतन खांडाखेड़ी, हिसार आदि अनेकानेक संस्थाएँ शिक्षा के लिए महत्त्वपूर्ण योगदान कर रही हैं। इन संस्थाओं के उच्च स्तर और कार्य से चौधरी मित्रसेन के सामाजिक कद और चिन्तन का सहज ही अनुमान लगाया जा सकता है।

चौधरी मित्रसेन को जानने वाले उन्हें अनेक रूपों में जानते हैं लेकिन चौधरी मित्रसेन को समझने के लिए एक विशाल दृष्टि चाहिए। सामान्य रूप से एक सफल व्यवसायी के रूप में प्रसिद्ध चौधरी साहब के सम्पूर्ण व्यक्तित्त्व को समझ पाना सरल नहीं है। उनके अन्दर एक समाज का सुधारक छुपा हुआ था, जो प्रचार के लिए तड़प रखता था और प्रचार की नई नई योजनाएँ बनाता था। उनके अन्दर एक धुरन्धर विद्वान छुपा हुआ था जो बातों बातों में यज्ञ योग वेद की ऐसी व्याख्याएँ करने लगता कि आपका बड़े विद्वानों को सुनने का गर्व चूर चूर हो जाता, और सबसे बढक़र उनके अन्दर एक संवेदनशील इंसान था जो समृद्धि की बुलंदियों को छूकर भी अपने गांव में, अपने बचपन के मित्रों में बैठकर हर्ष अनुभव करता था। जो गिरते हुओं को उठाता था, उठे हुए को चलाता था और चलते हुए का हाथ पकडक़र आगे बढऩे की प्रेरणा देता था। जो अपने आसपास अभाव को देखकर द्रवित हो उठता था। उनके अन्दर एक दार्शनिक और सामाजिक विचारक छुपा हुआ था जो उनके साथ अनौपचारिक बातचीत में मुखर होता था। उनके अन्दर एक ऐसा विचित्र उपदेशक विराजमान था जिसने अपने जीवन में कभी मंच पर एक शब्द भी नहीं बोला लेकिन सैंकड़ों हजारों लोगों ने मात्र आपके जीवन को देखकर एक नया बल प्राप्त किया। निस्सन्देह मित्रसेन आर्य एक जीवंत आदर्श थे। 27 फरवरी 2011 को चौधरी मित्रसेन आर्य का संक्षिप्त बिमारी के बाद देहान्त हो गया। आपका कथन था- 'प्रकृति का नियम है- शरीर घटता है विचार बढ़ते हैं-' आपका चिन्तन और संकल्प ही आपसे आशीर्वाद पाने वालों की शक्ति है। परमात्मा से प्रार्थना है कि आपके चाहने वालों को आपके निश्छल जीवन से मार्गदर्शन और प्रेरणा प्राप्त करने की शक्ति प्रदान करे।

इबारत लिखने वालों को भुला नहीं पाएंगे

यह विश्व के किसी भी देश का सबसे बड़ा हस्तलिखित संविधान था। गणतंत्र-दिवस एवं संविधान की चर्चा के बीच उस शख्स की चर्चा भी होनी चाहिए, जिसने समूचा भारतीय संविधान अपने हाथ से लिखा और इसके लिए केवल कलमों, पैन व 'होल्डर' और 'निबों' की लागत के अलावा उसने एक पैसा भी परिश्रमिक नहीं लियाा। इस शख्स रायजादा प्रेमबिहारी नारायण ने कांस्टीट्यूशन हाल (अब कांस्टीट्यूशन क्लब) के एक कमरे में बैठकर 'कैलिग्राफी' में हमारे करोड़ों देशवासियों के 'मुकद्दर' एवं अधिकारों की इबारत लिखी। इस काम के लिए उसने छह माह का समय लगाया। उसके लिए बरकिंघम से 'निब' मंगाए गए थे और कुल 251 पृष्ठों की इबारत 'कैलिग्राफी' के माध्यम से उकेरी गई थी। उसके साथ ही शांति निकेतन से प्रख्यात कलाकार नंदलाल बोस और उसके कला-विषय के मेधावी छात्रों की मदद भी ली गई।

संविधान
डॉ. चन्द्र त्रिखा
वरिष्ठ स्तंभकार

इनकी रही अहम भूमिका: उन कलाकरों ने इस जीवंत दस्तावेज के हर पृष्ठ की साज-सज्जा कलात्मक ढंग से प्रस्तुत की। कलाकार नंदलाल बोस को आधुनिक चित्रकला व प्राचीन संस्कृति से जुड़ी इबारत के अनुसार, कला पक्ष उकेरने में पूरी दक्षता हासिल थी। उसने वेदों, महाभारत और रामायण सरीखे प्राचीन ग्रंथों की छवि भी उभारी, साथ ही साथ महात्मा गांधी व नेताजी सुभाष चंद्र बोस के जीवनवृत्त से जुड़ी कुछ कलात्मक चित्रों/छवियों को भी उभारा। नेताजी, राष्ट्रध्वज को सैल्यूट की मुद्रा में दिखाए गए, जबकि 19वें अनुच्छेद में दांडी-मार्च के भी रेखाचित्र उकेरे गए। टीपू सुल्तान को भी एक पृष्ठ की सज्जा में स्थान मिला और सम्राट अशोक को भी एक महत्वपूर्ण पृष्ठ के कोनों पर चित्रात्मक स्थान दिया गया। एक ही समय में दो भिन्न-भिन्न विषयों पर अपने दोनों हाथों से दोनों कलमों के द्वारा लिखने वाले डॉ. राजेंद्र प्रसाद भारतीय संविधान सभा के अध्यक्ष थे। महाराष्ट्र के मूलनिवासी बैरिस्टर डॉ. भीमराव अम्बेडकर भारतीय संविधान प्रारूप कमेटी के अध्यक्ष थे। भारतीय संविधान के ड्राफ्टमैन डॉ. वीएन राय, हेग स्थित अंतरराष्ट्रीय न्यायालय के स्थायी न्यायाधीश थे और भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी भी रहे। वह भारतीय संविधान निर्माण के संवैधानिक सलाहकार थे। भारतीय संविधान का ड्राफ्ट तैयार करवाने की जिम्मेदारी जवाहर लाल नेहरू ने इन्हीं डॉ. वीएन राय को सौंपी थी। डॉ. वीएन राय ने भारतीय संविधान की प्रस्तावना अमेरिकन संविधान की प्रस्तावना की तर्ज पर ड्राफ्ट की थी। जैसे-अमेरिकन संविधान की प्रस्तावना में 'हम अमेरिका के लोग' दर्ज हैं, वैसे ही डॉ. वीएन राय ने भारतीय संविधान की प्रस्तावना में 'हम भारत के नागरिक' के स्थान पर 'हम भारत के लोग' दर्ज किया।

पूना से मंगवाया गया कागज : इस सारे कार्य के लिए सरकार ने डॉ. वीएन राय को 25 हजार रुपये पारिश्रमिक के रूप में दिए। भारतीय संविधान को लिखने के लिए हस्तनिर्मित कागज पूना से मंगवाया गया था। उस समय भारतवर्ष में टाइपराइटिंग मशीन नहीं थी। उस समय भारत में प्रेमबिहारी नारायण रायजादा से अधिक योग्य विद्वान एवं स्वविवेकशील कैलीग्राफिस्ट कोई अन्य नहीं था। प्रेमबिहारी नारायण रायजादा ने भारतीय संविधान को हिंदी एवं अंग्रेजी भाषा में लिखने में 303 निब होल्डर कलम और 254 स्याही दवात का इस्तेमाल किया। भारतीय संविधान की 'मूलप्रति' के प्रत्येक पेज पर इनके कॉपीराइट के तहत इनका नाम तथा अंतिम पृष्ठ पर इनके नाम के साथ इनके दादाजी का नाम आज भी दर्ज हैं। ऐसा ही विलक्षण योगदान चित्रकार नन्दलाल बोस का था जो अजंता गुफाओं के भित्तिचित्रों से बहुत प्रभावित थे। वे शास्त्रीय भारतीय संस्कृति को पुनर्जीवित करने की चाह रखने वाले कलाकारों और लेखकों के एक अंतरराष्ट्रीय समूह का हिस्सा बन गए थे।

छत्रपति संभाजी की भूमिका में खूब जंचे विक्की कौशल

मुंबई। काफी समय से अभिनेता विक्की कौशल अपनी आगामी फिल्म 'छावा' को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। इस फिल्म में विक्की की जोड़ी साउथ अभिनेत्री रश्मिका मंदाना के साथ पहली बार बनी है। 'छावा' में विक्की महान मराठा शासक छत्रपति शिवाजी महाराज के बेटे छत्रपति संभाजी महाराज का किरदार निभा रहे हैं, वहीं रश्मिका फिल्म में उनकी पत्नी महारानी येशूबाई की भूमिका में नजर आएंगी। अभिनेता अक्षय खन्ना भी फिल्म 'छावा' का अहम हिस्सा हैं। वह फिल्म में मुगल शहंशाह औरंगजेब का किरदार निभाएंगे। ट्रेलर में उनकी झलक भी दिख रही है। यह फिल्म इस साल 14 फरवरी को बड़े पर्दे पर रिलीज होगी। ये कलाकार भी आएंगे नजर'छावा' में आशुतोष राणा, दिव्या दत्ता और नील भूपलम जैसे कलाकार भी नजर आएंगे।

खौफनाक क्राइम थ्रिलर में आने वाली हैं नजर...

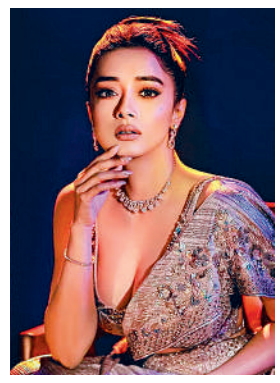

मुंबई। मुंबई के जिम कल्चर के बैकग्राउंड पर बन रही एक क्राइम थ्रिलर वेब सीरीज 'पर्सनल ट्रेनर' में एक्ट्रेस टीना दत्ता नजर आने वाली हैं। ये कहानी नेहा धर्मराजन की हैं, जो एक विवाहित महिला है, जिसका किरदार टीना दत्ता ने निभाया है, जिसका अपने पर्सनल ट्रेनर अनीश (गुलशन नैन) के साथ अवैध संबंध रहता है और सीरीज में घटनाओं की एक खौफनाक कहानी को दिखाता है, जिसमें एक हत्या भी शामिल है। मुझे सीरीज में 'नेहा' के किरदार में प्रामाणिकता लाने में मदद की है। टीना दत्ता ने कहा, नेहा एक ग्रे किरदार है और मेरे लिए किसी ऐसे व्यक्ति का किरदार निभाना रोमांचक था, जिसमें खूबियां और खामियां दोनों हैं। एक होनहार किरदार को जीवंत करने के अलावा, इतने प्रतिभाशाली कलाकारों के साथ काम करना शानदार था।

सात साल बाद फिर दिखेगी पर्दे पर...

मुंबई। दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'पद्मावत' सिनेमाघरों में दोबारा दस्तक देने वाली है। हालांकि, यह 24 जनवरी को पर्दे पर आने वाली थी, लेकिन अब इस फिल्म की रिलीज तारीख में बदलाव हुआ है। साल 2017 में आई 'पद्मावत' को रिलीज के 7 साल बाद सिनेमाघरों में दोबारा लाया जा रहा है। रानी पद्मावती के जौहर की महान गाथा को रुपहले पर्दे पर देखने के लिए प्रशंसक बेहद उत्साहित हैं। फिल्म का एक पोस्टर जारी कर इसकी नई रिलीज तारीख का ऐलान हुआ है। 'पद्मावत' अब 6 फरवरी को सिनेमाघरों में आएगी। 'पद्मावत' के निर्देशक संजय लीला भंसाली हैं। शाहिद कपूर भी इस फिल्म का हिस्सा हैं। 'पद्मावत' अमेजन प्राइम वीडियो पर मौजूद है। पिछले कुछ समय से बॉलीवुड में पुरानी फिल्मों को एक बार फिर सिनेमाघरों में रिलीज किया जा रहा है।

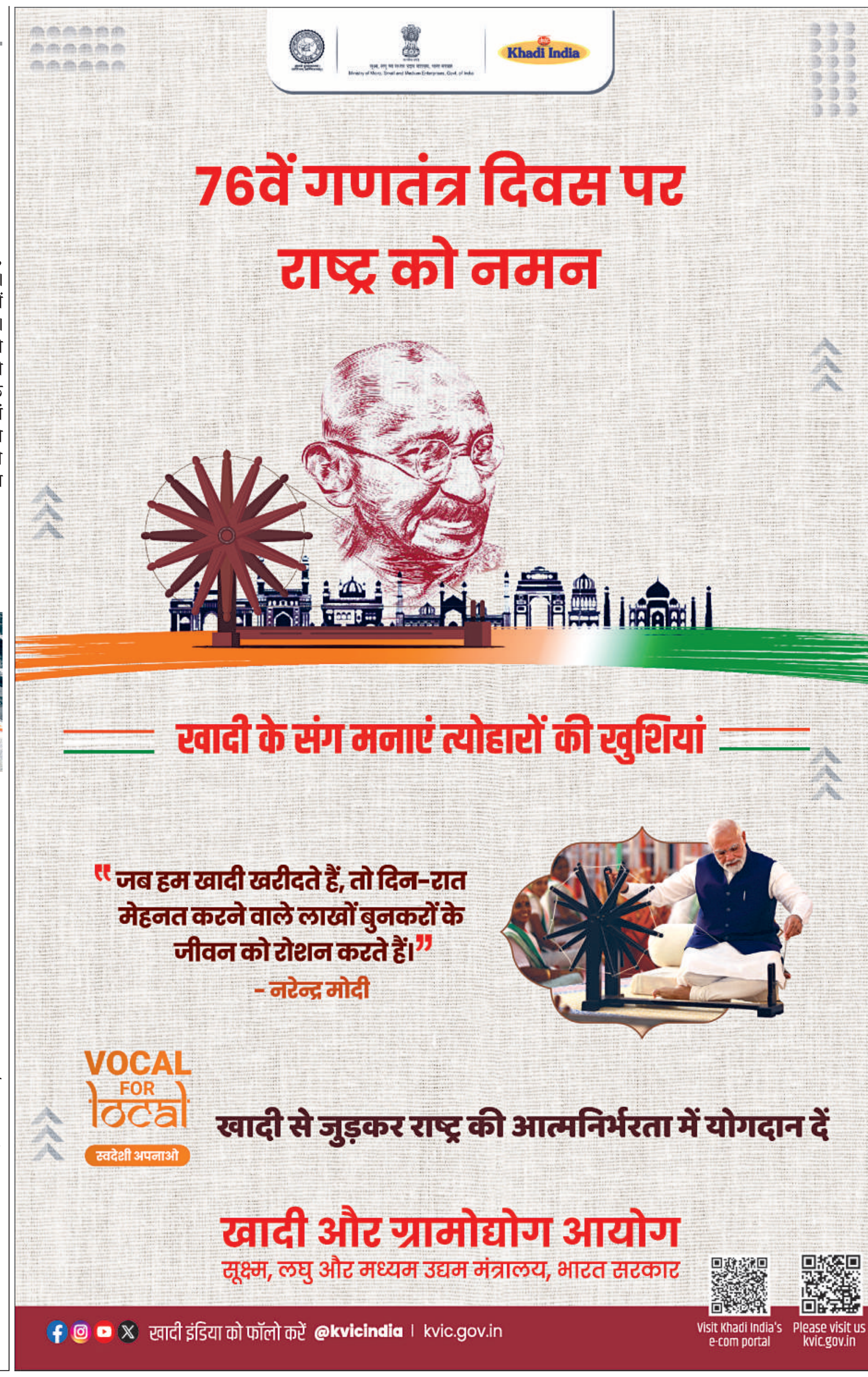

एक राष्ट्र, एक चुनाव 'साहसपूर्ण दूरदर्शिता' का प्रयास : राष्ट्रपति मुर्मू

खास बात
- गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्र को किया संबोधित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार को लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ कराने संबंधी सरकार की पहल को 'साहसपूर्ण दूरदर्शिता' का एक प्रयास बताया और कहा कि 'एक राष्ट्र एक चुनाव' से सुशासन को नए आयाम दिए जा सकते हैं।

राष्ट्रपति ने 76वें गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर शनिवार को राष्ट्र को संबोधित करते हुए सरकार के कई सुधारात्मक और कल्याणकारी कदमों तथा कानूनों का उल्लेख किया और कहा कि हाल के दौर में औपनिवेशिक मानसिकता को बदलने के ठोस प्रयास हमें दिखाई दे रहे हैं।' मुर्मू ने कहा, 'वर्ष 1947 में हमने स्वाधीनता प्राप्त कर ली थी, लेकिन औपनिवेशिक मानसिकता के कई अवशेष लंबे समय तक विद्यमान रहे।

शारदा सिन्हा, ओसामु सुजुकी समेत 7 हस्तियों को पद्म विभूषण

साध्वी ऋतंभरा और सुशील मोदी को पद्म भूषण सम्मान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर शनिवार को देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान- पद्म पुरस्कार 2025 के लिए नामों की घोषणा कर दी है। शारदा सिन्हा, ओसामु सुजुकी समेत 7 हस्तियों को पद्म विभूषण सम्मान दिया गया है। वहीं पंकज उधास और सुशील मोदी समेत 19 हस्तियों को पद्म भूषण सम्मान दिया गया है। इनके अलावा 113 हस्तियों को इस बार पद्म श्री से सम्मानित किया जाएगा, जिनके नामों की घोषणा कर दी गई है। देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों में से एक पद्म पुरस्कार तीन श्रेणियों में प्रदान किए जाते हैं – पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्म श्री. यह पुरस्कार कला, सामाजिक कार्य, सार्वजनिक मामलों, विज्ञान, इंजीनियरिंग, व्यापार, उद्योग, चिकित्सा, साहित्य, शिक्षा, खेल और सिविल सेवा जैसे विविध क्षेत्रों में उत्कृष्टता को मान्यता देता है।

राष्ट्रपति ने गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर दिए जीवन रक्षा पदक श्रंखला पुरस्कार

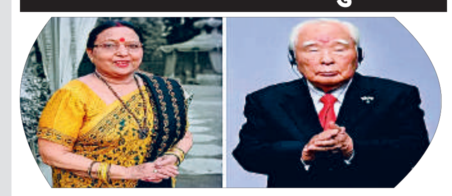

ये 7 हस्ती पद्म विभूषण से होंगी सम्मानित : -दुव्वुर नागेश्वर रेड्डी (मेडिसिन), -न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) जगदीश सिंह खेहर (सार्वजनिक मामले). कुमुदिनी रजनीकांत लाखिया (कला), -लक्ष्मीनारायण सुब्रमण्यम (कला), एम. टी. वासुदेवन नायर (साहित्य और शिक्षा) मरणोपरांत, ओसामु सुजुकी (व्यापार और उद्योग) मरणोपरांत, शारदा सिन्हा (कला) मरणोपरांत.

49 को जीवन रक्षा पदक श्रंखला पुरस्कार

भारत के राष्ट्रपति ने 49 व्यक्तियों को जीवन रक्षा पदक श्रंखला पुरस्कार – 2024 प्रदान किया जाना अनुमोदित किया है, जिनमें 17 सर्वोत्तम जीवन रक्षा पदक, 09 उत्तम जीवन रक्षा पदक तथा 23 जीवन रक्षा पदक सम्मलित हैं। छह व्यक्तियों को यह पुरस्कार मरणोपरांत प्रदान किया गया है। जीवन रक्षा पदक श्रंखला के पुरस्कार किसी व्यक्ति की जान बचाने में मानवीय प्रकृति के सराहनीय कार्य के लिए प्रदान किया जाता है।

यह पुरस्कार तीन श्रेणियों, सर्वोत्तम जीवन रक्षा पदक, उत्तम जीवन रक्षा पदक, एवं जीवन रक्षा पदक, में प्रदान किया जाता है। जीवन के सभी क्षेत्रों से जुड़े व्यक्ति इन पुरस्कारों के पात्र हैं। ये पुरस्कार मरणोपरांत भी प्रदान किये जाते हैं। इस पुरस्कार के अलंकरण में मेडल, केंद्रीय गृह मंत्री द्वारा हस्ताक्षरित प्रमाण पत्र एवं एकमुश्त मोद्रिक भत्ता शामिल है।

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट से प्रत्यर्पण को हरी झंडी

मुंबई हमले का मास्टरमाइंड राणा लाया जाएगा भारत

अब तेज होगी माल्या, मोदी, नाइक समेत बाकी भगोड़ों को स्वदेश लाने की कवायद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

26 नवंबर 2008 को मुंबई पर हुए आतंकवादी हमले के दोषी तहव्वुर हुसैन राणा के भारत प्रत्यर्पण को अमेरिका की सुप्रीम कोर्ट से मिली हरी झंडी भारत के लिए किसी बहुत बड़ी कामयाबी के हाथ लगने जैसा है।

क्योंकि इसके बाद अब विजय माल्या, नीरव मोदी, मेहुल चौकसी, अनमोल बिश्नोई, जाकिर नाइक, संजय भंडारी और सौरभ चंद्राकर जैसे कई अन्य भगोड़े अपराधियों को स्वदेश लाने की कवायद जोर पकड़ेगी। यह वो लोग हैं जिन्होंने भारत में अपराध को अंजाम दिया और उसके बाद यहां के कानून को धता बताकर विदेश भाग गए। इनकी एक खास बात ये भी है कि भारत के इन तमाम भगोड़े अपराधियों में से एक-तिहाई अमेरिका में जाकर छिपे हुए हैं। जो अपराधियों के लिए 'सुरक्षित पनाहगाह' बना हुआ है।

ढाई दशक में भारत लाए गए 60 भगोड़े

2002 से लेकर अब तक लगभग 60 भगोड़ों को दुनिया के तमाम देशों से देश वापस लाया गया है। इनमें सबसे ज्यादा 17 लोग संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से भारत वापस लाए गए। इसके बाद अमेरिका से 11 और सऊदी से 5 लोग प्रत्यर्पित किए गए। जबकि कनाडा और थाईलैंड से देश लाए गए भगोड़े अपराधियों का आंकड़ा क्रमशः 4-4 का रहा है। तंजानिया और ब्रिटेन से केवल एक व्यक्ति का ही प्रत्यर्पण संभव हो सका है। इन 60 लोगों में से 52 भारतीय नागरिक थे। जबकि 3 ब्रिटेन के और 1 अमेरिकी नागरिक था।

भारत के भगोड़ों के काले कारनामे : तहव्वुर राणा पाकिस्तानी मूल का एक कनाडाई नागरिक है। 2008 में मुंबई पर किए गए आतंकी हमले में उसने पाकिस्तान समर्थित आतंकवादी संगठन लश्करे तैयबा और पाक की खुफिया एजेंसी आईएसआई के लिए काम किया था। हमले में भारत सहित अन्य देशों के 160 से ज्यादा लोग मारे गए और कई अन्य बड़ी तादाद में घायल हो गए थे।

48 देशों के साथ भारत की प्रत्यर्पण संधि

भगोड़े अपराधियों की देश वापसी में भारत के 1962 के प्रत्यर्पण अधिनियम की अहम भूमिका है। यह देश में एक अभियुक्त या सजायाफ्ता (भगोड़ा) के प्रत्यर्पण को नियंत्रित करता है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, भारत की दुनिया के कुल करीब 48 देशों के साथ प्रत्यर्पण संधि है। जबकि करीब दर्जनभर देश ऐसे हैं, जिनके साथ प्रत्यर्पण सहमति है। इसके अलावा भारत संयुक्त राष्ट्र के साथ भी कई संधियों और व्यवस्थाओं में भागीदार है। उक्त प्रक्रिया की मदद से ही दुनिया के अलग-अलग देशों में भागे हुए अपराधियों की देश वापसी संभव होती है। भारत के साथ प्रत्यर्पण संधि वाले देशों में अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी, फ्रांस, रूस, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, थाईलैंड, पुर्तगाल, इंडोनेशिया, वियतनाम, स्पेन, ईरान, सऊदी अरब, ओमान, पुर्तगाल, तुर्की जैसे देश शामिल हैं। वहीं, इटली, फिजी, पेरू, सिंगापुर, श्रीलंका, स्वीडन, तंजानिया, पापुआ न्यू गिनी, क्रोएशिया, न्यूजीलैंड, आर्मेनिया, एंटीगुआ और बारबुडा के साथ भारत की प्रत्यर्पण व्यवस्था लागू है।

दिल्ली चुनाव के लिए भाजपा का संकल्प पत्र पार्ट-3 जारी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अमित शाह बोले- झूठे वादे करते हैं केजरीवाल

दिल्ली चुनाव में कुछ ही समय बचा है, ऐसे में राष्ट्रीय राजधानी का सियासी पारा हाई है। इस बीच केंद्रीय गृह मंत्री और बीजेपी के स्टार प्रचारक अमित शाह ने शनिवार को दिल्ली चुनाव के लिए पार्टी के संकल्प पत्र का पार्ट-3 जारी किया।

इस दौरान उन्होंने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल पर जमकर निशाना साधा और कहा कि केजरीवाल जो वादे करते हैं, वो पूरे नहीं करते। उन्होंने कहा कि दिल्ली में गरीब कल्याण की एक भी योजना बंद नहीं होगी। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि हम 2025 विधानसभा चुनाव संकल्प पत्र का अंतिम संस्करण लॉन्च करने के लिए यहां हैं। हमारे लिए संकल्प पत्र भरोसे और हम क्या हासिल कर सकते हैं, इस बारे में है। यह झूठी उम्मीदों के बारे में नहीं है। 2014 से पीएम ने प्रदर्शन की राजनीति के लिए मंच तैयार किया है। हमने सभी समूहों के मतदाताओं से मुलाकात की है।

केजरीवाल पर साधा निशाना

केजरीवाल पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि केजरीवाल वादे करते हैं लेकिन पूरे नहीं करते और मासूम सा चेहरा लेकर आ जाते हैं। केजरीवाल ने कहा था बंगला नहीं लेंगे लेकिन 51 करोड़ उस बंगले की सजावट में खर्च कर दिए। इसका जवाब दिल्ली की जनता आपसे मांग रही है। आपने स्कूल, मंदिर, गुरुद्वारा, किसी को नहीं छोड़ा। सब जगह शराब की दुकानें खोल डाली। दिल्ली में केजरीवाल ऐसी सरकार चला रहे हैं, जो वादे करते हैं, उन्हें पूरा नहीं करते हैं और फिर से झूठ के एक बहुत बड़े पुलिंदे और भोले से चेहरे के साथ जनता के सामने उपस्थित होते हैं। मैंने अपने राजनीतिक जीवन में इतनी सफाई से झूठ बोलने वाला व्यक्ति नहीं देखा है। शाह ने कहा, 'केजरीवाल ने कहा था कि 7 साल में यमुना को साफ कर दूंगा और कहा था यमुना में डुबकी लगाऊंगा. इंतजार कर रहे हैं कब आप यमुना में डुबकी लगाएंगे।

भारत पर्व में छत्तीसगढ़ की झांकी रहेगी आकर्षण का केंद्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

नई दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किले में इस वर्ष गणतंत्र दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले भारत पर्व 2025 में छत्तीसगढ़ की झांकी विशेष आकर्षण का केंद्र बनेगी।

छत्तीसगढ़ की झांकी इस बार जिसमें राज्य की समृद्ध जनजातीय परंपराओं और रामनामी समुदाय की विशिष्ट झलक प्रस्तुत की गई है। यह झांकी छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक धरोहर, पारंपरिक लोक जीवन और रामनामी समुदाय की अनोखी पहचान को खूबसूरती से दर्शाती है। रामनामी समुदाय, जो भगवान राम के प्रति अपनी अनन्य भक्ति के लिए जाना जाता है, इस झांकी का मुख्य आकर्षण है। उनके सफेद वस्त्रों पर 'राम' नाम अंकित होता है, जो उनकी गहरी आस्था और साधना का प्रतीक है।

कब से कब तक और कहाँ
तारीखः 26 से 31 जनवरी, 2025
स्थानः लाल किला प्रांगण, नई दिल्ली
समयः सुबह 10 बजे से रात 9 बजे तक
प्रवेशः निःशुल्क

भारत पर्व 2025 का आयोजन लाल किला प्रांगण में 26 जनवरी से 31 जनवरी तक किया जाएगा। इस दौरान छत्तीसगढ़ सहित देश के विभिन्न राज्यों झांकियां भारत की सांस्कृतिक विविधता और विकास यात्रा को प्रदर्शित करेंगी।

इंडोनेशिया के राष्ट्रपति से मिले पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को दिल्ली के हैदराबाद हाउस में इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो के साथ बैठक की। बैठक से पहले पीएम मोदी ने प्रबोवो का गर्मजोशी से स्वागत किया और दोनों नेताओं ने हाथ मिलाए। बैठक के बाद अपने संबोधन में पीएम मोदी ने कहा कि इंडोनेशिया भारत के पहले गणतंत्र दिवस पर मुख्य अतिथि देश था। यह हमारे लिए बहुत गर्व की बात है कि जब हम गणतंत्र के 75 साल पूरे होने का जश्न मना रहे हैं, तो इंडोनेशिया एक बार फिर इस ऐतिहासिक अवसर का हिस्सा है। मैं राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो का भारत में स्वागत करता हूं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रंधीर जायसवाल ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि दोनों नेताओं के बीच चर्चा भारत और इंडोनेशिया के संबंधों को और मजबूत करेगी।

भारत पर संकट का मतलब सनातन पर संकट : योगी

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को प्रयागराज दौरे पर थे। इस दौरान उन्होंने मौनी अमावस्या पर स्नान को लेकर तैयारियां का जायजा लिया। इसके बाद महाकुंभ में योगी आदित्यनाथ ने सनातन धर्म को लेकर बड़ा बयान दिया। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत में एकता जरूरी है और भारत पर संकट आने का मतलब सनातन धर्म पर संकट आना है। उन्होंने कहा कि अगर संकट आ गया तो कई संप्रदाय सुरक्षित महसूस नहीं करेंगे। योगी ने कहा कि भारत की सनातन संस्कृति दुनिया में तलवार के दम पर नहीं बल्कि सद्भाव के उपदेश के जरिए पहुंची है।

उन्होंने कहा कि चुनौतियां भी उतनी ही होती है जितना माहौल सकारात्मक होता है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि किसी भी धर्म में दो चीजों पर ध्यान रखना होगा और सनातन धर्म एक वट वृक्ष है और इसकी तुलना झाड़ से मत करो।

epaper : www.haribhoomi.com
हरिभूमि CLASSIFIED
Email : response.haribhoomi@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking : Raipur- 79871-19756 6263818152

Appointment आवश्यकता

सिक्योरिटीगार्ड

आवश्यकता है- सिक्युरिटी गार्ड, मार्केटिंग अफसर, कम्प्यूटर ऑपरेटर वेतन 14500 से 18000 पता TANGO SECURITY PVT. LTD. ऑरेंज हाइव 6 फ्लोर ऑफिस 603 मोवा रायपुर मो.- 8109070600, 7869230888.(RO-2476)

आवश्यकता है- कम्प्युटर ऑपरेटर, सुपरवाइजर, सुरक्षा गार्ड, लेडी गार्ड, मार्केटिंग अधिकारी, योग्यता 10वीं-स्नातकोत्तर, गार्ड ऊंचाई 5.7) वेतन योग्यतानुसार संपर्कः- ALERT SGS PRIVATE LIMITED, 434, चतुर्थतल, प्रोग्रेसिव पॉइंट, लालपुर, रायपुर मोबाइलः - 7746000016, 7747000019. (RO-3160)

पैकेजिंग/डिलिवरी कार्य

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य, माल पैकेजिंग एवं डिलवरी कार्य हेतु जो ई-रिक्शा चला सके 10वी, 12वी पास युवकों की आवश्यकता है वेतन योग्यतानुसार संपर्क करें: डुको आर्ट प्रा. लि. शादीजा कंपाउंड एल आई जी-64, बैंक ऑफ बड़ौदा के पास अवंति विहार रायपुर 99932-40022.(RO-om)

हेल्पर वर्क

आवश्यकता है- भिलाई कार एसी वर्कशॉप में कार की एसी रिपेयरिंग हेतु हेल्परो की अवसक्ता है पता - पॉलिटेनिक कॉलेज के सामने दुर्ग मोबाइल नंबर - 9098026110. (आरो न.-667)

मार्केटिंग

आवश्यकता है- मेडिकल इक्विपमेंट की मार्केटिंग हेतु लडके कि आवश्यकता है संपर्क करें-AG Eterprises Kamal Vihar Sector-6 Raipur 9329358582, 8435958582.(RO-2499)

पैकिंग/लेबर कार्य

आवश्यकता है- चुस्की चाय में पैकिंग कार्य हेतु लेडिस/ लड़कियों की और लेबर कार्य हेतु पुरुष की जरूरत है। संपर्क करें एसबीआई एटीएम के सामने आकृति विहार अम्लीडीह रायपुर। मो. 7469980000, 07714075490. (RO-2496)

असिस्टेंट

आवश्यकता है- रियल स्टेट में काम करने हेतु पर्सनल असिस्टेंट महिला की आवश्यकता है जो टूर पर जा सकें।उम्र 28 से 35 वर्ष अनुभवी को प्राथमिकता वेतन योग्यतानुसार। फोन नंबर 8269944900.(RO-458)

टेलीकॉलर/टेक्नीशियन

आवश्यकता है- यूरेका फॉर्ब्स लिमिटेड प्रोडक्ट हेतु आवश्यकता - 12वीं, टेलीकॉलर- 2, ऑफिस असिस्टेंट -02, सेल्स रिप्रेजेंटेटिव - 4, सर्विस टेक्निशियन - 2, ऑफिस बॉय -1 संपर्क :- दीपिका सर्विसेज कर्मचारी कॉलोनी कुशालपुर रायपुर 9826652461. (RO-om)

सुरक्षाकर्मी

आवश्यकता है- Blue Light Intelligence Security में सुरक्षा कर्मियों की तत्काल आवश्यकता है। Job Location - Kachna, Telibandha, Raipur , Vijay - 6261704334. (RO-822)

दुकान कार्य

आवश्यकता है- कपड़ा दुकान में काम करने के लिए लड़को की आवश्कता हैं,आकर्षक वेतन। संपर्क - समय 12 से 7 बजे। पूजा साड़ी,महालक्ष्मी क्लॉथ मार्केट,पंडरी,रायपुर।(RO-444)

आवश्यकता है- थोक दुकान में परमानेंट कार्य हेतु दुकान-दुकान सप्लाई हेतु लड़को की आवश्यकता है योग्यता 8+ उम्र 16 से 25 वर्ष। ट्रेनिंग + रहना + खाना फ्री। ट्रेनिंग बाद 7000 से 20,000 संपर्कः- उतई दुर्ग मो. 97544.09440, 99930-31494. (आरो न.-660)

आवश्यकता है- रेडीमेड कपड़े की थोक दुकान में कार्य करने हेतु अनुभवी लड़के एवं लड़कियों की आवश्यकता है संपर्क नंद होजियरी डिपो जय हिंद होजियरी मार्केट पंडरी रायपुर मोबाइल 9300188811.(RO-7443)

मार्केटिंग/सेल्समैन

आवश्यकता है- हगीस डायपर (बच्चों का) रायपुर में मार्केटिंग हेतु अनुभवी सेल्समैन की जो जनरल वा मेडिकल मार्केट के बारे में जानकारी रखता हो, संपर्क करे - अग्रवाल एजेसी रायपुर Mob. 98264-16557.(RO-OM)

सुपरवाइजर

आवश्यकता है- महासमुंद जिले में एवं भिलाई के लिए फिल्ड हेतु सुपरवाइजर कार्य करने हेतु लड़कों की आवश्यकता है। स्वयं की बाइक होना अनिवार्य है। संपर्क करें- 7000673668, 9425518007, 7000969319. (आरो न.-668)

हरिभूमि

ड्रायवर

आवश्यकता है- ऑटोमेटिक कार (बीएमडबल्यू, ऑडी, मर्सिडीज़) चलाने हेतु ड्राइवर की आवश्यकता है। ड्राइवर का शादीशुदा होना व 35 साल से अधिक उम्र का होना अनिवार्य है। ड्यूटी टाईम प्रतिदिन सुबह 9 से रात 8:30, रविवार ड्यूटी टाईम सुबह 9 से दोपहर 3:00 (सूचना :- जेसीबी, हाइड्रा, आदि जैसी गाड़ी चलाने वाले संपर्क ना करें)। इंटरव्यू के लिए आते वक़्त अपना आधार कार्ड, बिजली बिल व ड्राइविंग लाइसेंस अवश्य लाये। सैलरी 20000/- प्रतिमाह। रहने, खाने-पीने, बाइक, पेट्रोल की व्यवस्था नहीं दी जाएगी। पता - सिविल लाईन्स, रायपुर, कॉल करने का समय दोपहर 12 बजे से शाम 5 बजे तक :- 9644720222. (RO-30)

आवश्यकता है-स्कूल वाहन चलाने हेतु बस चालक हेवी लाइसेंस धारक - 5 पद लाइट लाइसेंस धारक -8 पद, सुरक्षागार्ड- 5 पद वेतन योग्यता अनुसार। मदर्स प्राईड हा. सें. स्कूल सुंदर नगर मोन 7389358588.(RO-133)

फील्ड एक्जीकेटिव

आवश्यकता है- आधुनिक व्यावसायिक प्रशिक्षण संस्थान को सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में फील्ड एक्जीक्यूटिव और फील्ड ऑफिसर युवक/ युवती की आवश्यकता है अपने ही क्षेत्र में रहकर कार्य करें शिक्षा- 10वीं से स्नातक वेतन- 10000 से 25000+ इंसेंटिव सम्पर्क करें- कुशालपुर चौक, रायपुर 9575666367. (RO-36592)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

पैकिंग कार्य

आवश्यकता है- पैकिंग कार्य हेतु लडको की आवश्यकता है सैलेरी योग्यतानुसार शीतला एजेंसी रिंग रोड नंबर 1 भांटागांव चौक न्यू बस स्टैंड रायपुर 9826129026, 9300129026.(RO-132)

कम्प्युटर ऑपरेटर

आवश्यकता है- होलसेल कन्फेशनरी में कार्य करने हेतु टैली जानकार कंप्यूटर ऑपरेटर एवं दुकान में काम करने के लिए लड़के एवं लड़कियों की आवश्यकता है। टाइमिंग 11 से 9:30 मोबाइल नं. 9131356574, 9200670000, 9827400406. कृष्णा एजेंसी, नयापारा फुलचौक रायपुर(RO-7442)

आवश्यकता है- एलजी एवं वोल्टास इलेट्रॉनिक के कंपनी ऑथोराइस सर्विस सेंटर में कंप्यूटर ऑपरेटर लड़के/लड़की की आवश्कता है। अनुभवी को प्राथमिकता। शंकरनगर,रायपुर। 7566600066, 9826190214.(RO-458)

घरेलु कार्य

तत्काल आवश्यकता- बंगले में कार्य हेतु घरेलू नौकर की आवश्यकता है। अनुभवः 5 से 10 वर्ष वेतनः योग्यतानुसार कृपया केवल अनुभवी व्यक्ति ही संपर्क करें : 9109972720.(RO-om)

सेल्समैन/ऑपरेटर

आवश्यकता है- सेल्समैन, कम्प्यूटर आपरेटर, ड्राईवर,माल छोड़ने के लिए लड़कों की एवं घरेलू कार्य हेतु लड़की /महिला की आवश्यकता है संपर्क करे बोरियाखुर्द रायपुर मो.न. 9893115061.(RO-OM)

हरिभूमि क्लासीफाईड

कीपर/लेबर

आवश्यकता है- रायपुर भनपुरी स्थित सी.एंड एफ. गोडाऊन में कार्य हेतु 1 गोडाउन कीपर और 1 लेबर की। सी.एंड एफ. अनुभवी को प्राथमिकता संपर्क - 9229909971 (समय - 10 से 6)(RO-820)

अन्य

आवश्यकता है- Reliance Jio 5G कंपनी (SMS SENDING CALLING JOB) करके लड़के- लडकिया, गृहणिया, रिटायर्ड पर्सन, स्टूडेंट घर बैठे कमाए (21500- 48500) महीना (लैपटॉप +मोबाइल मुफ़्त) NAME, पता QUALIFICATION, CALL /SMS /WHATSAPP करें:- 8918984004.(RO-3026)

आवश्यकता है- पेंसिल पेन रबड़ के माध्यम से घर बैठे पैकिंग नौकरी की सुविधा भारत के हर क्षेत्र में दी जा रही आपको नौकरी की जरूरत है। संपर्क करें:- 7044713881, 7044684039, 7044893771. (RO-754)

आवश्यकता है- पेंसिल पेन रबड़ के माध्यम से घर बैठे पैकिंग नौकरी की सुविधा भारत के हर क्षेत्र में दी जा रही आपको नौकरी की जरूरत है। संपर्क करें:- 7450945537, 8335088415. (RO-818)

आवश्यकता है- पेंसिल पेन रबड़ के माध्यम से घर बैठे पैकिंग नौकरी की सुविधा भारत के हर क्षेत्र में दी जा रही आपको नौकरी की जरूरत है। संपर्क करें:- 8240426971, 9163849676. (RO-755)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

Services सर्विसेस

सर्विस - वजन कम करना है या बढ़ाना है??? जाने हमसे... दवाइयों को कहें अलविदा! स्वस्थ और सक्रिय जीवनशैली अपनाकर, खाने की आदतों में बदलाव लाकर हासिल करें अपने सपनों का शरीर! हमारी सेवाएं: शरीर की जांच स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम व्यक्तिगत स्वास्थ्य सलाहकार संपर्क करें: 7999758499. (RO-om)

Property प्रापर्टी

मकान

मकान बेचना है- (शीतला चौक) ग्राम तुलसी - 2 (बाराडेरा) 2920 वर्ग फिट में पक्का मकान 6 कमरा, 1 किचन, बारी बोरवेल है, गली के दोनों तरफ रास्ता सुविधा है इच्छुक व्यक्ति संपर्क करे- मोबाईल नंबर 9406020233, 7697143954.(RO-2494)

मकान बेचना है- डुप्लेक्स मकान बेचना है साई नगर वेलफेयर सोसायटी धमतरी रोड अभनपुर में डुप्लेक्स बेचना है संपर्क करें-9407455263, 7089313050.(RO-134)

प्लाट

बेचना है- दुर्ग से मात्र 9 किमी. कोटनी-नगपुरा रोड पर बेहतरीन लोकेशन में रिवर व्यू रेस्टोरेंट प्लाट एरिया 5600 स्क्वे.फीट 1400 फीट में रेस्टोरेंट 95 फीट फ्रंट, रेस्टारेंट, ढाबा, वीकेंड होम, इन्वेस्टमेंट हेतु उपयोगी। बेचना है सम्पर्क- 9300044445.(आरो न.-4444)

विज्ञापन बुकिंग टाइम सुबह 10:30 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक

For Rent किराया

किराये से देना हैं
"रायपुर के प्रमुख स्थान तात्यापारा, बैंक ऑफ इंडिया के ऊपर, उपलब्ध है 4000 वर्ग फुट का भव्य स्पेस।"
"यह जगह न केवल 24 घंटे पानी की सुविधा से लैस है, बल्कि बेसमेंट पार्किंग की भी सुविधा उपलब्ध है।"
"यहाँ उपलब्ध है 44 किलोवॉट की पावर सप्लाई, जो आपके हर व्यावसायिक जरुरत को पूरा करने के लिए तैयार है।"
"यह जगह वालफर्निश है, जो आपके ऑफिस या अन्य वाणिज्यिक उपयोग के लिए बिल्कुल उचित है।"
"संपर्क करें स्थानः जी.डी. शेष. निलयम बिल्डिंग तात्यापारा, बैंक ऑफ इंडिया के ऊपर, रायपुर, संपर्क करें:
मो.9826135333

क्या आप देना चाहते है... अपने बिजनेस को बेहतर प्रतिसाद "तलाश की नई सुबह" तो पढ़ते रहिए हरिभूमि क्लासिफाईड Space Available for Ad. 6263818152

वैवाहिकी

वर चाहिए

वर चाहिए
29 वर्षीया 5'-4" एमए, एमकॉम, रिसर्च स्कॉलर, गोंड (ध्रुव) स्वशासी महाविद्यालय में गेस्ट असिस्टेंट प्रोफेसर स्मार्ट कन्या हेतु सुयोग्य वर चाहिये
-सम्पर्क करें- 9424399425 7987467641

बौध्द वर चाहिए-गोरी, सुन्दर सुशील बौद्ध महाराष्ट्रीयन (महार) जन्म 1996, 5'-3" डॉक्टर (फिजियो थेरपिस्ट) कन्या हेतु सजातीय सुयोग्य वर चाहिए। सम्पर्क करें- 887130 0333 (665)

वधु चाहिए

वधु चाहिए
ब्राह्मण एकाकी अधिकारी (कानूनी तलाक प्रतीक्षित) को 40वर्ष तक की (केवल घरेलू) मित्रवत एकाकी लड़की/ महिला जीवनसाथी चाहिए (अविवाहित, विधवा को प्राथमिकता) स्वयं फोन करें
7587724442

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पुर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें 62638-18152

ममता कुलकर्णी को महामंडलेश्वर बनाने पर विवाद

प्रयागराज। अभिनेत्री ममता कुलकर्णी के किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर बनने पर विवाद हो गया है। कई संत नाराज हैं। शांभवी पीठ के पीठाधीश्वर स्वामी आनंद स्वरूप महाराज ने कहा- किन्नर अखाड़े को मान्यता देकर पिछले कुंभ में महापाप हुआ था। कुंभ का मजाक बनाने का प्रयास हो रहा है। ममता का नाम बहुत बड़ा है। ये लोग उसके नाम पर व्यापार करेंगे। ममता का विषय बहुत घातक और धर्म के खिलाफ है। इधर, जूना अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि ने कहा, संन्यास का सबको अधिकार है। वह अपनी मोह माया और एक प्रकार सांसारिक त्याग कर श्रेष्ठ कार्यों के लिए लोक कल्याण के लिए पारमार्थिक जीवन जीने के लिए अगर कोई व्यक्ति आना चाहता है तो उसका स्वागत है। हालांकि मेरा अपना विचार है कि ममता को एकदम से महामंडलेश्वर बनाना सही नहीं है। 'किन्नर अखाड़े को मान्यता देकर पिछले कुंभ में महापाप हुआ था, जिस प्रकार की अनुशासनहीनता हो रही है, वो बहुत घातक है। ये सनातन धर्म के साथ एक धोखा है, छल है।' मैंने ममता से कहा- इन लोगों के जाल में मत पड़ो। स्त्री के लिए संन्यास नहीं है। तमाम ऐसी परंपरा है, जिसमें तुम विरक्त होकर रह सकती हो। उन्होंने कहा कि ऐसी जगह न गिरो कि लोग तुम्हारे ऊपर थूकें। किन्नर अखाड़े को लोग मजाक में ले रहे हैं।

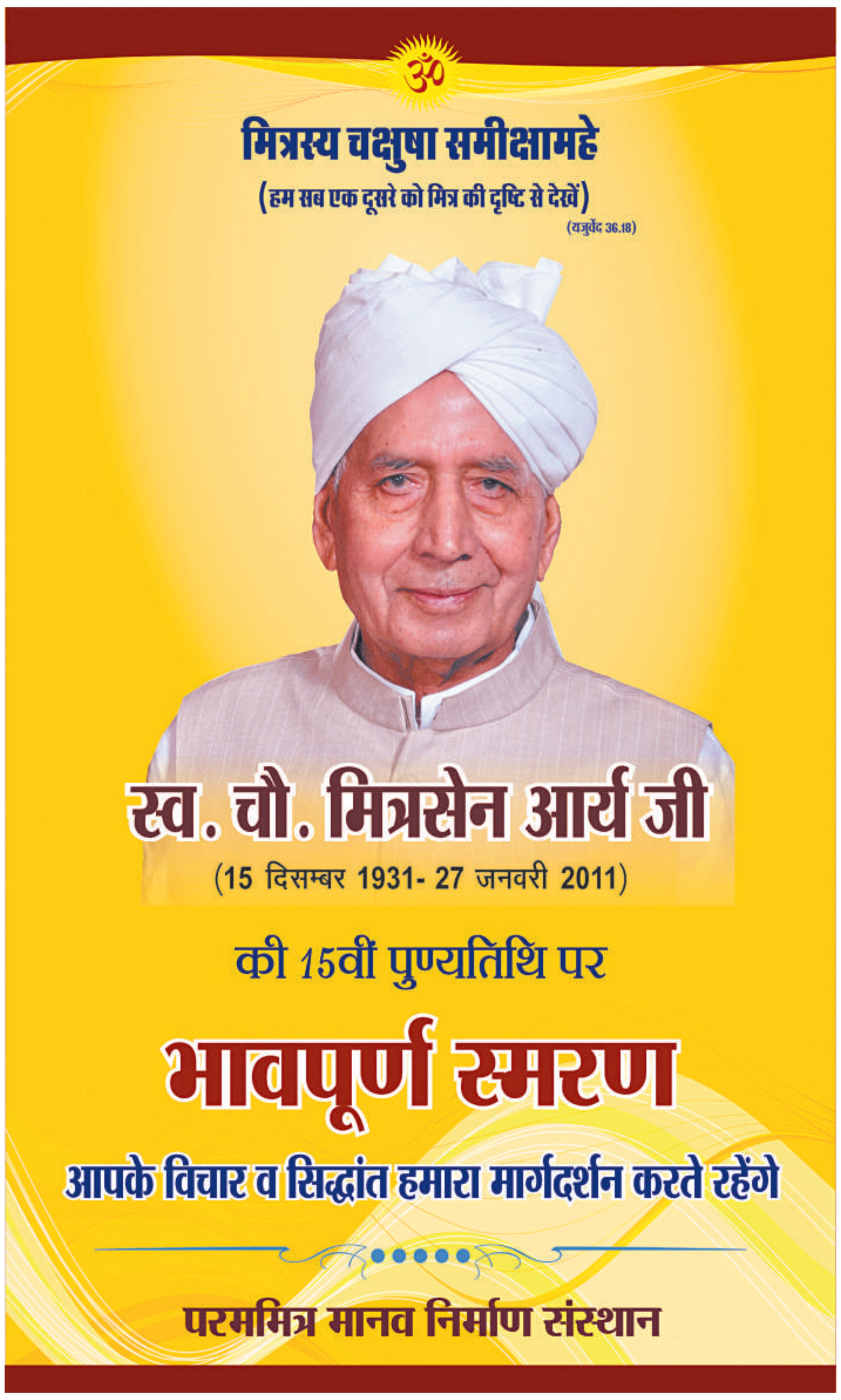

कटरा-श्रीनगर वंदे भारत का ट्रायल सफल, फरवरी में लॉन्च करेंगे पीएम मोदी

नई दिल्ली । जम्मू-कश्मीर में वंदे भारत ट्रेन का सपना सच होने जा रहा है। शनिवार को इसका ट्रायल पूरा हुआ। ट्रेन कटरा से सुबह 8 बजे रवाना हुई और श्रीनगर पहुंचने में सिर्फ 3 घंटे का समय लिया। यात्रियों के बीच जब इसकी घोषणा हुई, तो प्लेटफॉर्म पर 'भारत माता की जय' के नारे गूंज उठे। यह ट्रेन 160 किमी का सफर बेहद आरामदायक और तेज गति से पूरा करेगी। जम्मू-कश्मीर के ठंडे मौसम को देखते हुए इसे खास तौर से तैयार किया गया है। यह ट्रेन कश्मीर की कड़ाके की ठंड में भी सफर कराने में सक्षम होगी। इसके कोच और बाथरूम में हीटर लगाए गए हैं। ट्रेन के ड्राइवर केबिन में ट्रिपल एयर विंडशील्ड लगाई गई है, जिससे माइनस तापमान में भी साफ विजिबिलिटी बनी रहेगी।

ढाका दौरे पर गुपचुप पहुंचे आईएसआई अफसर

नई दिल्ली। पाकिस्तान और बांग्लादेश की नजदीकियां बढ़ रही हैं। पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के अफसर गुपचुप तरीके से 21 जनवरी को बांग्लादेश की राजधानी ढाका पहुंचे। आईएसआई के इस हाई लेवल डेलिगेशन के बांग्लादेश दौरे ने भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रंधीर जयसवाल ने बताया कि भारत अपनी सीमाओं और पड़ोस में होने वाली हर गतिविधि पर नजर रखे हुए है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा है कि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मामलों पर सरकार उचित कदम उठाएगी।

तरकश

- संजय के. दीक्षित

इनोवा वाले साब, 180 करोड़ की बचत

निलंबन बहाली से पहले ही इनोवा गाड़ी की डिमांड करने वाले आईएएस अफसर को जीएडी ने न केवल बहाल कर दिया बल्कि दो-दो पोस्टिंग से नवाज दिया। कोई नहीं...सिस्टम की अपनी मजबूरियां होती हैं। आखिर, इसी सिस्टम ने जिलों में पुलिस की किराये पर चलने वाली इनोवा गाड़ियों पर अपनी भृकुटी चढ़ाई और अब आलम यह है कि जिले के पुलिस अधीक्षकों को दो तिहाई से अधिक किराये की इनोवा को हटाना पड़ गया। सबसे अधिक गोलमाल कवर्धा और राजनांदगांव में था। कवर्धा में रोज आठ-से-दस इनोवा हायर की जाती थी। बिलिंग प्रति गाड़ी 80 हजार से लेकर एक लाख रुपए तक। मगर अब दो-से-तीन गाड़ियां किराये की ली जा रही हैं। इसी तरह अन्य जिलों में भी आधे से अधिक किराये की गाड़ियों को वापिस कर दिया गया है। एसपी और आरआई ने साफ कह दिया है...अब संभव नहीं। बहती गंगा में हाथ धोने कई पुलिस वाले ही ट्रेवल्स कंपनी खोल लिए थे, इससे उन्हें भारी फटका लगा है। बहरहाल, तरकश की खबर और वित्त महकमा एवं पीएचक्यू की सख्ती से छत्तीसगढ़ के खजाने को हर महीने करीब 15 करोड़ की बचत होगी। याने साल का 180 करोड़। कुछ ईमानदार टाईप एसपी मानते हैं कि थोड़ा सा सिस्टम टाईट हो जाए, तो 50 करोड़ रुपए और बच सकता है। इसमें अभी और अंकुश लगाई जा सकती है। मसलन, जिन नेताओं को जरूरत नहीं, एसपी साब लोग उन्हें खुश रखने फॉलोगार्ड मुहैया करा देते हैं।

कौवा मारकर टांगना

सिस्टम की कसावट के लिए टाईमिंग को मेंटेन करना अच्छा कदम है। मगर सिस्टम की गड़बड़ियों को ठीक करने सरकार को अभी कई और कदम उठाने होंगे। छत्तीसगढ़ में अभी कई चीजें ऐसी हो रही हैं, जिनमें कोई संज्ञान नहीं लिया जा रहा। आदिवासी मुख्यमंत्री, आदिवासी संगठन मंत्री होने के बाद भी आदिवासियों की जमीनें हड़पी जा रही हैं, मगर इस पर रोक लगाने अफसरों का ध्यान नहीं है। विदित है, एक कलेक्टर ने आदिवासी जमीन के मामले में लिख कर दे दिया कि इसमें कलेक्टर की अनुमति की जरूरत नहीं। बाद में बवाल मचा तो रजिस्ट्री अधिकारी को सस्पेंड करा दिया। फिर चोरी पकड़ी गई तो रजिस्ट्री अधिकारी को बहाल किया गया। इस मसले में अभी तक किसी को नोटिस तक इश्यू नहीं हुई। आईपीएस लोग रिसोर्ट में शराब पार्टी करें...हंगामा हो, इसमें भी अभी तक कुछ नहीं हुआ। ऐसे ढेरों मामले हैं, जिसमें लोगों की टिप्पणियां सुनने में आ रही कि कुछ बदला नहीं। आखिर सीजीएमससी की ईओडब्लू जांच में ब्रेकर क्यों लगाया जा रहा है...सवाल तो है। जवाब है, सरकार को कौवा मारकर लटकाना पड़ेगा। अमरेश मिश्रा को फ्री हैंड देदीजिए...देखिए फिर करप्शन काबू में कैसे नहीं आता है।

करप्शन कारपोरेशन

छत्तीसगढ़ के सरकारी अस्पतालों के लिए दवाइयां और उपकरण खरीदने वाले सीजीएमससी को सरकार ने अब टाईट करना शुरू कर दिया है। हेल्थ सिकरेट्री और डायरेक्टर हेल्थ अब खुद सीजीएमएससी की निगरानी कर रहे हैं। बल्कि पता तो ये भी चला है कि 50 लाख की पूंजी से दस साल में 500 करोड़ के आसामी बने पिता-पुत्र की भी अब शामत आने वाली है। अफसरों ने उनकी कंपनियों के टॉप के एग्जीक्यूटिव को रायपुर बुलाकर हड़काया है...काम करना है तो डिस्ट्रीब्यूटर्स बदल लो। बताते हैं, दवा कारपोरेशन को करप्शन कारपोरेशन बनाने में छत्तीसगढ़ के पिता-पुत्र की भूमिका सबसे अहम रही। एकाध को छोड़ दें तो अधिकांश एमडी और जीएम फायनेंस तथा जीएम टेक्नीकल पिता-पुत्र ही अपाइंट कराते थे। एमडी कार्तिकेय गोयल ने जब नियम-कायदों का शिकंजा कसा तो हाई कोर्ट में दो दर्जन से अधिक केस लगवा दिया। अगर इसकी सक्षम एजेंसी से जांच हो जाए, तो छत्तीसगढ़ का सबसे बड़ा घोटाला निकलेगा।

IFS अफसर का करनामा

सीजीएमससी के फाउंडर एमडी आईएफएस प्रताप सिंह रहे। उत्तराखंड से ताल्लुकात रखने वाले प्रताप ने सरकार के भरोसे पर खरा उतरते हुए ईमानदारीपूर्वक सीजीएमएससी की नींव रखी। इसके बाद 2014 तक सब ठीकठाक चलता रहा। 2014 में सरकार ने अविनाश चंपावत को हटाकर एक दक्षिण भाषी आईएफएस अफसर को एमडी बना दिया। यही से सीजीएमससी करप्शन कारपोरेशन में ट्रांसफर्म होना प्रारंभ हुआ। आईएफएस ने बस्तर में पोस्टिंग के दौरान ट्रांसपोर्ट का काम करने वाले ठेकेदार को सीजीएमससी में रजिस्टर्ड कराया और फिर ऐसा खेला किया कि खुद भी करोड़ों की मिल्कियत बनाई और सप्लायर की हैसियत आज ऐसी हो गई है कि किसी नेता या अफसर से मिलने जाता है तो दो खोखा छोड़कर आ जाता है। याने लक्ष्मीजी के जरिये विश्वास जीतने का नायाब नमूना। सरकार के एक जिम्मेदार पद पर बैठे नेता इसी चक्कर में बड़ी बदनामी मोल ले बैठे।

मंत्रिमंडल का विस्तार

विष्णुदेव साय कैबिनेट का विस्तार अब लंबे समय के लिए टल गया है। नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव जैसे ही समाप्त होगा, 27 फरवरी से विधानसभा का बजट सत्र प्रारंभ हो जाएगा। इसके बाद होली आ जाएगी। होली के हफ्ता भर बाद तक सत्र चलेगा। यानी करीब 25 मार्च तक। इसके बाद अप्रैल आ जाएगा। बीजेपी के बड़े लीडर भी मानते हैं कि अप्रैल से पहले अब कैबिनेट का विस्तार मुमकिन नहीं। अप्रैल में भी तभी...जब केंद्रीय नेतृत्व इसे सीरियसली ले। वरना, नए मंत्रियों के नाम पर शह-मात का ऐसा खेल चल रहा कि उसे क्लियर नहीं किया गया तो मंत्रियों का शपथ मुमकिन नहीं।

दावेदारों की जेबकटी

विष्णुदेव साय कैबिनेट में मंत्री दो ही बनेंगे मगर नए-पुराने मिलाकर दावेदारों में चार-से-पांच विधायक तो हैं ही। मंत्रिमंडल विस्तार जैसे-जसे आगे खिंचता जा रहा है...इन बेचारों की हालत खराब है...नया जैकेट सिलवाकर बैठे-बैठे आंखें पथरा गई है। जब भी शपथ का शुभ योग बनता दिखता है, राहू-केतु बीच में आ जाते हैं। उपर से चंदा मांगने वाले प्राण खा रहे...गणेश और दुर्गापूजा में कई लाख निकल गए। नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव में अब जेब कटने वाली है। मेयर और अध्यक्ष को कौन पूछे, पार्षद की टिकिट मिलने से पहले कार्यकर्ता पहुंचने लगे हैं...भाई साब कुछ करा देते। अपने इलाके में बेहतर पारफर्मेंस का तनाव है सो अलग। आखिर, मेयर कंडिडेट का रिजल्ट गड़बड़ाया तो उसका ठीकरा बड़े नेताओं पर फूटेगा। इतना खर्चा के बाद भी मंत्री पद मिलेगा, इसकी कोई गारंटी नहीं। क्योंकि, बीजेपी में कब क्या हो जाए, बड़े-बड़े नेताओं को भी मालूम नहीं रहता।

भाभियों को फ्री का पगार

अफसरों की पत्नियां नौकरी करती हैं तो इसमें कोई दिक्कत नहीं। काम करने का सबको अधिकार है। मगर वर्किंग कल्चर बनाने के तहत विष्णुदेव सरकार ने टाईमिंग पर सिस्टम को कसना प्रारंभ किया है तो ये बात भी उठने लगी है कि अफसरों की पत्नियों को भी टाईम को फॉलो करते हुए रोज आफिस जाना चाहिए। सरकार की नोटिस में ये बात आई है कि कई अफसरों की डॉक्टर या असिस्टेंट प्रोफेसर पत्नियां बिना आफिस आए हर महीने पगार उठा रही हैं। खासकर, जिलों में तो और बुरा हाल है। सैयां भए कोतवाल तो फिर किसकी हिम्मत है कि वो टोक दें। न कालेजों के प्रिंसिपल बोल पाते और न ही अस्पतालों के मेडिकल सुपरिटेंडेंट। आलम यह है कि बस्तर में पोस्टेड रहे अधिकारियों की पत्नियां कागजों में अभी भी वहां के अस्पतालों में काम कर वेतन उठा रही हैं। सरकार से पद स्वीकृत कराने का लफड़ा भी नहीं रहता। कलेक्टर साब लोग डीएमएफ में भाभियों के लिए पद का सृजन कर देते हैं और बिना काम की तनख्वाह भी एकाउंट में चला आता है। मगर वक्त अब दूसरा है। जैसे ही महीना बीतने को आता है, राज्य के फाइनेंस सिकरेट्री की रात की नींद उड़ने लगती है। छत्तीसगढ़ के चार लाख कर्मचारियों, अधिकारियों के लिए 2500 करोड़ सेलरी का इंतजाम। उपर से महतारी वंदन के लिए 700 करोड़। याने दो-तीन तारीख तक 3200 करोड़ चाहिए ही चाहिए। ऐसे में, कोई फोकट में वेतन लेगा तो जाहिर है, मेहनत करने वाले को अखरेगा ही। बहरहाल, अफसरों की पत्नियों की जमीर जागनी चाहिए। फ्री का पैसा आखिर क्यों? हूनर है तो उसका उपयोग करें...मेहनत के पैसे में बरकत भी होता है।

खेल में खेला

छत्तीसगढ़ के खेल विभाग के हरफ़ानमौला खिलाडी दूसरे के पैसे से भी करतब दिखा दे रहे हैं. बस्तर ओलम्पिक के लिए गृह विभाग ने पैसा दिया था. बस्तर के कलेक्टर ने इसके लिए एक करोड़ तीन करोड़ का टेंडर किया था. मगर खेल विभाग के अफसरों को यह रास नहीं आया. आख़रिकार, कलेक्टर को टेंडर निरस्त करना पड़ा. उसी सामग्री को खेल अधिकारियों ने तीगुने रेट पर दो करोड़ 95 लाख में ख़रीदा. याने खेल में खेला हो गया.

अंत में दो सवाल आपसे

1. क्या रिटायरमेंट के साल में अफसरों को गोलमाल करने वाली पोस्टिंग देनी चाहिए?

2. सुबह से कैलकुलेटर लेकर बैठ जाने वाले किस कलेक्टर को सरकार चुनाव बाद खो करने सोच रही हैं?

पेज एक के शेष

हजारों किताबों में...

युवाओं में अधिकतर वे अभ्यर्थी हैं, जो प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं। 26 जनवरी 1950 को देश का संविधान लागू किया गया था। 75 वर्ष पश्चात भी संविधान की इस किताब की महत्ता यथावत है। ना केवल हिंदी बल्कि इंग्लिश भाषा में भी यह किताब शीर्ष सूची में शामिल है। राजधानी रायपुर में सबसे बड़ी लाइब्रेरी नालंदा है। बीते कुछ सालों में इस पुस्तकालय ने पीएससी और यूपीएससी में कई अधिकारी दिए हैं। इस लाइब्रेरी में 2024 में जिस टॉपिक की किताब सर्वाधिक इशू कराई गई वह संविधान की है। नालंदा लाइब्रेरी की मुख्य प्रभारी मंजूला जैन बताती हैं, यहां संविधान आधारित अथवा उससे संबंधित 850 से अधिक किताबें हैं। सामान्य अध्ययन की किताबों में भी कुछ हिस्से संविधान संबंधित होते हैं। यदि उन्हें भी इसमें शामिल किया जाए तो संविधान की जानकारी देने वाली किताबों की संख्या हजार पार हो जाएगी। इनमें से प्रतिदिन औसतन 30 से 40 किताबों इशू होती हैं। अन्य किसी भी टॉपिक की तुलना में संविधान की किताब अधिक इशू हुई हैं।

संविधान की ये किताबें शीर्ष पर : एम लक्ष्मीकांत की भारतीय शासन, लोक प्रशासन, भारत की राज व्यवस्था, डॉ. जय नारायण पांडेय की भारत का संविधान, सुभाष कश्यप की हमारा संविधान, पीएम बख्शी की द कॉन्स्टिट्यूशन ऑफ इंडिया, डॉ.दुर्गादास बसु की भारत का संविधान सहित स्पेक्ट्रम प्रकाशन की भारतीय राजव्यवस्था किताब युवाओं द्वारा लाइब्रेरी में 2024 में सर्वाधिक तलाशी गई हैं।

सेंट्रल लाइब्रेरी और...

किताबें उपलब्ध नहीं हैं, लेकिन संविधान आधारित 80 से 100 लेखकों और प्रकाशन की किताबें यहां भी हैं। प्रबंधन के मुताबिक, तक्षशीला में संविधान आधारित किताबें रोजना 10 से 20 युवा इशू कराकर ले जाते हैं, जबकि सेंट्रल लाइब्रेरी में यह संख्या 30 से 40 के मध्य है।

छड़ी, ताम्रपत्र, जैकेट,...

प्रधान आरक्षक पद पर थे। उनकी छड़ी, ताम्रपत्र, जैकेट, कुर्ता, पायजामा, चश्मा, तिरंगा, ब्रीफकेश, डॉ. अब्दुल कलाम के साथ खींची हुई फोटो को धरोहर के रूप में छोटे पुत्र संजयमणि शुक्ला रखे हुए हैं और उनके सामान की पूजा करते हैं। संजयमणि ने बताया कि पिता ने कहा था कि उनका सपना था कि भारत माता का मंदिर बनाएंगे, जिसे पूरा नहीं कर पाए। इस सपना को पूरा करने के लिए प्रयास कर रहे हैं, अपने घर में ही भारत माता का मंदिर बनाएंगे। उन्होंने बताया कि पिता के समय से ही घर में स्वतंत्रता दिवस एवं गणतंत्र दिवस पर राष्ट्रीय ध्वज फहराते आ रहे हैं।

सेवा और साहस का...

दंतेवाड़ा अंजू कुमारी, दंतेवाड़ा टीआई संजय पोटाम, एसआई दंतेवाड़ा चैतराम गुरूपंच, हेड कांस्टेबल बुधराम कोरसा, हेड कांस्टेबल हेमला नंदू, प्यारस मिंज, आरक्षक कमलेश मरकान, दिनेश भास्कर, मनोज पुनेम के नाम शामिल हैं। विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पदक के लिए पीएचक्यू विशेष शाखा में पोस्टेड महेशराम साहू के नाम की घोषणा की गई है।

सराहनीय सेवाओं के लिए पदक : पीएचक्यू में एएसपी सुरक्षा के पद पर पदस्थ ज्ञानेन्द्र कुमार अवस्थी, पीएचक्यू विशेष शाखा के टीआई अनिल कुमार कश्यप, पीएचक्यू विआशा के टीआई हरिशंकर प्रताप सिंह, कंपनी कमांडर 7वीं बटालियन दुर्ग नरेश कुमार पैकरा, पीएचक्यू में योजना, प्रबंध शाखा में पदस्थ निरीक्षक वली मोहम्मद, एएसआई नक्सल सेल बीजापुर समैया चिपनपल्ली, पीएचक्यू में हेड कांस्टेबल के पद पर पदस्थ सुशील कुमार श्रीवास, कांकेर, रावघाट तुलाराम चुरेन्द्र, 8वीं वाहिनी छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल राजनांदगांव के हेड कांस्टेबल हरिशचंद्र मरकाम, पीएचक्यू में आरक्षक के पद पर तैनात सुशील कुमार चौये के नाम सराहनीय सेवा पदक पाने वालों के नामों की सूची में शामिल हैं।

देश के 942 कर्मियों को...

पुलिस कर्मियों, पांच अग्निशमन सेवा कर्मियों, सात नागरिक सुरक्षा व होमगार्ड सेवा कर्मियों और चार सुधारात्मक सेवा से जुड़े कर्मियों को दिए गए हैं। बयान में कहा गया है कि 746 उत्कृष्ट सेवा पदकों (एमएसएम) में से 634 पुलिस सेवा, 37 अग्निशमन सेवा, 39 नागरिक सुरक्षा और गृह रक्षक सेवा तथा 36 सुधारात्मक सेवा कर्मियों को दिए गए हैं।

राज्य अलंकरण के बाद...

में पंडीराम ने कहा कि आज ही दोपहर में दिल्ली से फोन आया था। फोन करने वाले ने गृह मंत्रालय से फोन करने की बात कहते खुद को गृहमंत्री का सचिव बताया था। साथ ही कहा कि पद्मश्री के लिए आपका चयन हो गया है, घोषणा हो जाएगी। पंडीराम के पुत्र बलदेव ने भी कहा कि फोन तो आया था, लेकिन पद्मश्री मिलने की बात कन्फर्म होना बाकी है। पंडीराम ने कहा कि राज्य अलंकरण सम्मान दाऊ मंथरा पुरस्कार उपराष्ट्रपति से प्राप्त किया था। अब यदि पद्मश्री में नाम आया है तो पूरे बस्तर के लिए गर्व की बात है। अपनी कला के विषय में उसने कहा कि आदिवासी परंपरा और रीति-रिवाज को लकड़ी पर उकेरते हुए कई तरह की कलाकृतियां बनाया हूं।

इंग्लैंड के संग्रहालय में भी कलाकृति : पंडीराम मंडावी की काष्ठ कलाकृति इंग्लैंड के प्रतिष्ठित संग्रहालय में रखा गया है। उन्होंने कहा कि पिता मंदेर मंडावी से मैंने काष्ठकला सीखी। मेरे पिता भी इसी काष्ठकला के चलते जापान जा चुके है, मैं भी 4 देश का भ्रमण कर चुका हूं।

हमास ने रिहा किए 4 इजरायली सैनिक इजरायल ने भी छोड़े 200 फिलिस्तीनी

एजेंसी ▶▶ तेल अवीव

हमास ने गाजा में 15 महीने से चल रहे युद्ध को समाप्त करने के उद्देश्य से हुए संघर्ष विराम समझौते के तहत शनिवार को लगभग 200 फिलिस्तीनी कैदियों के बदले में चार महिला इजरायली सैनिकों को रिहा कर दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, चार सैनिकों (करीना एरीव, डेनिएला गिल्बोआ, नामा लेवी और लिरी अलबाग) को गाजा में रेड क्रॉस को सौंप दिया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक चारों महिलाएं इजरायली सैनिक हैं, जिन्हें 7 अक्टूबर को हमास के हमले के दौरान इजरायल के नाहल ओज सैन्य अड्डे से अगवा किया था। वे एक सैन्य निगरानी इकाई की सदस्य थीं।

अमेरिका, कतर और मिस्र के नेतृत्व में हुआ है युद्धविराम : युद्ध विराम अमेरिका, कतर और मिस्र के नेतृत्व में इजरायल और हमास के बीच कई महीनों तक चली अप्रत्यक्ष वार्ता के बाद संपन्न हुआ। युद्ध विराम समझौते ने उस युद्ध पर विराम लगा दिया जो 7 अक्टूबर 2023 को हमास के इजरायल पर हमले के बाद शुरू हुआ। लगभग 1,200 लोग मारे गए और 251 को बंधक बनाकर वापस गाजा ले जाया गया। 7 अक्टूबर 2023 से अब तक गाजा पर इजरायल के युद्ध में कम से कम 47,283 फिलिस्तीनी मारे गए और 111,472 घायल हुए हैं गाजा युद्धविराम समझौते के तहत इजरायल ने शनिवार को 200 फिलिस्तीनी बंदियों को रिहा कर दिया है।

ट्रंप ने रोकी विदेशों को दी जाने वाली सहायता

वाशिंगटन। डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने बड़ा कदम उठाते हुए सभी विदेशी सहायता पर रोक लगा दी। हालांकि, इजरायल और इजिप्ट को इससे छूट दी गई है। एएफपी की रिपोर्ट के मुताबिक, इमरजेंसी खाद्य और मिलिट्री सहायता इजरायल और इजिप्ट को मिलती रहेगी।यह फैसला ट्रंप की अमेरिका फर्स्ट पॉलिसी के मुताबिक लिया गया है, जिसमें दूसरे देशों को मौजूदा समय में दी जा रही सहायता में कटौती करने पर जोर दिया गया है।

आइए, जानते हैं कि ट्रंप के इस फैसले के बाद किन देशों को मिलती रही अमेरिकी मदद और किन देशों को फंड देना बंद करेगा अमेरिका। इस आदेश का सबसे बड़ा असर यूक्रेन पर पड़ेगा। बता दें कि यूक्रेन अब तक अमेरिकी सैन्य सहायता का बड़ा लाभार्थी रहा है।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) गरियाबंद, जिला-गरियाबंद (छ.ग.)

// ईश्तहार //

रा.प्र.क्र./ 202402221400002/2203 /APL/
अ- 6 / वर्ष 2024-25
ग्राम-बारूला. प.ह.नं. 15 तहसील-गरियाबंद
गरियाबंद दिनांक 24.01.2025

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि अपीलार्थीगण संदीप तिवारी पिता स्व. नारायण प्रसाद तिवारी पता-तर्रा, पोस्ट-पटेवा, तहसील- अभनपुर, जिला-रायपुर (छ.ग.) एवं अन्य 09 के अधिवक्ता श्री मधुसुदन शुक्ला के माध्यम से उत्तरवादीगण धनीराम पिता केजउ यादव निवासी ग्राम मदनपुर, तहसील व जिला गरियाबंद (छ.ग.) एवं अन्य 14 के विरूध्द निम्न न्यायालय तहसीलदार गरियाबंद के रा.प्र.क्र. 202402221400002/ अ-6/ वर्ष 2023-24 में पारित आदेश दिनांक 25.09.2024 से क्षुब्ध होकर अपील अंतर्गत धारा 44 (1) शपथ पत्र आदेश दिनांक 25.09.2024 की प्रमाणित सत्य प्रतिलिपि नकल एवं अन्य दस्तावेज सहित प्रस्तुत किया गया है, जिसमें प्रकरण पंजीबध्द कर नियमानुसार कार्यवाही की जा रही है।

उक्त प्रकरण में उत्तरवादीगण धनीराम, श्यामकार्तिक, श्यामलाल, प्रेमलाल, किरण सभी पिता केजऊ यादव पता - मदनपुर, फुलबाई पति हिरामन रावत पता- मदनपुर, कलीराम बलदराम, ओमसिंग, बृन्दाबाई, भूखई, दुकालु, सुकाला, बुधियारिन, पुनिया सभी पिता रामसाय रावत पता- मदनपुर, तहसील व जिला-गरियाबंद (छ.ग.) को नोटिस जारी किया गया था। सभी नोटिस पता सही नही होने के कारण अदम तामिल नोटिस वापस प्राप्त हुआ है। उक्त प्रकरण सुनवाई दिनांक 06.03.2025 को समय 11:00 बजे न्यायालयीन समय में अपने अधिवक्ता के माध्यम से या स्वतः उपस्थित होकर अपना पक्ष रख सकते है। नियत पेशी तिथि में उपस्थित नही होने पर आपका पक्ष समाप्त करते हुए प्रकरण में एकपक्षीय कार्यवाही की जावेगी।

मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से आज दिनांक 24.01.2025 को जारी किया गया।

मुहर
अनुविभागीय अधिकारी
(रा.) गरियाबंद

आम सूचना

(प्लाट नं. 24, खसरा नं. 15004/19, क्षेत्रफल 1550 वर्गफुट "खुशी सिटी" ग्राम पुरैना, तह. व जिला रायपुर से संबंधित)

सर्वसाधारण को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि हमारे मुवक्किलगण श्री हेमराज पालीवाल पिता श्री रामचंद्र पालीवाल निवासी भोणे का बास, दया कोर, जोधपुर फलौदी (राजस्थान) एवं श्री ओमप्रकाश पालीवाल पिता श्री रामचंद्र पालीवाल निवासी एमआईजी-19, पवन विहार, नया राजेन्द्र नगर, दुर्गा मंदिर के पास रायपुर (छ.ग.) ने श्री राजकुमार सिहानी पिता स्व. श्री सुंदर दास सिहानी निवासी वालफोर्ट सिटी, भाठागांव, रायपुर (छ.ग.) से उनके स्वामीत्व एवं आधिपत्य की आवासीय परिवर्तित भूमि प्लाट नं. 24, क्षेत्रफल 1550 वर्गफुट, खसरा नं. 194, 195, 196/1, 196/2, 198/2 का भाग, नया ऑनलाईन खसरा नं. 15004/19 स्थित "खुशी सिटी", रानी दुर्गावति वार्ड क्र. 50, ग्राम पुरैना, प.ह.नं. 67, रा.नि.मं. रायपुर-01, तह. व जिला रायपुर (छ.ग.) मे स्थित को क्रय करने का सौदा पक्का कर ब्याने की राशि विक्रेता को दे चुके हैं एवं अब केवल शेष राशि का भुगतान कर रजिस्ट्री कराना शेष है।

यदि उपरोक्त वर्णित करारशुदा सम्पत्ति के सौदे पर किसी भी बैंक, साहूकार, व्यक्ति, वित्तीय संस्था एवं शासन आदि को किसी प्रकार की उजर या दावा हो तो ऐसे उजर व दावे को इस आम सूचना के प्रकाशन के 7 (सात) दिनों के अंदर दस्तावेजी साक्ष्य के साथ हमारे समक्ष हमारे कार्यालय में कार्यालयीन समय 11 से 5 बजे के बीच लिखित में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद म्याद बीतने पर हमारे मुवक्किल द्वारा रजिस्ट्री बैनामा करा लिया जावेगा। तत्पश्चात किसी भी प्रकार के किये गए उजर या दावे अमान्य व अवैध होंगे जो हमारे पक्षकारों पर बंधनकारी नहीं होंगे। जो सूचना जाने।

रायपुर (छ.ग.)
दिनांक 25.01.2025
एन. के. साहू अधिवक्ता
श्रीवास्तव एण्ड एसोसिएट्स
एफ-33, हीरा आर्केड, पुराना बस स्टैण्ड
पण्डरी, रायपुर (छ.ग.), मो.नं. 9301286272

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, राँची

अति अल्पकालीन ई–पुर्ननिविदा आमंत्रण सूचना
PR No. 340598 Rural Work Department(24-25).D

पत्रांकः– दिनांक–

अति अल्पकालीन ई–पुर्ननिविदा संख्याः–21/RE/2024-25/RWD /EE/RANCHI

क्र0 सं0	आईडेन्टी फिकेशन संख्या / पैकेज संख्या	प्रखण्ड	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (रूपये में) अंक में	अक्षर में	कार्य समाप्ति की तिथि / अवधि	टेण्डर कॉल नं0
1	RWD/RANCHI/ 69/2024-25	काँके	ग्राम राढ़हा, टोला मोढ़ा से डहुपनिया तक पथ निर्माण कार्य। (लं0–2.550 कि0मी0)।	3,17,68,400.00	तीन करोड़ सत्तरह लाख अरसठ हजार चार सौ रूपये मात्र।	15 माह	द्वितीय
2	RWD/RANCHI/ 71/2024-25	बेड़ो	सिंगराय से कैरो तक पथ निर्माण कार्य (लं0– 1.230 कि0मी0)	1,26,85,500.00	एक करोड़ छब्बीस लाख पचासी हजार पाँच सौ रूपये मात्र।	9 माह	द्वितीय

1. वेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि :–28.01.2025
2. ई–निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय :–04.02.2025 अपराह्न 5.00 बजे तक।
3. निविदा खोलने की तिथि एवं समय :–06.02.2025 अपराह्न 3.30 बजे।
4. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, राँची।
5. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं0– 0651–2360137

विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट jharkhandtenders.gov.in में देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, राँची

PR 345100 REO(24-25)#D

HMS ARSH-RAHAT
आयुर्वेदिक हानिरहित बवासीर का दवा
अर्श–राहत
बवासीर की समस्त समस्याओं से 5 दिनों में छुटकारा दिलाता है व दुबारा होने से भी रोकता है।
आपरेशन के खर्च व तकलीफ से बचना चाहते है तो अर्श-राहत का इस्तेमाल करें
HMS देखकर खरीदें
94060-21769

JHAIGO झाईगो 5+1 Cream
चेहरे को दागों से मुक्त कर सुंदरता बढ़ाये...
तो फिर क्या.. बस इस बार झाईगो क्रीम उपयोग कर देखें।
क्या आपके... चेहरे पर झाईयां है? आंखो पर काले घेरे हैं?
चेहरे पर मुहाँसे के काले निशान हैं? या जले या चोट के निशान है?

हरिभूमि HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
सिंघानिया स्किन केयर — Makeover Skin, Hair & Aesthetic Centre
36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्पलेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311
रानी सती मंदिर के पास, केनाल लिंकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
Email:bsinghania111@yahoo.co.in
मो. 94252-14479, 0771-4020411
www.makeoverraipur.com
त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

सुविधाएं : पी.एफ.टी. ब्रांकोस्कोपी स्लीप स्टडी
डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
गरचा कॉम्पलेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड, रायपुर
मो. 7999450384, 7042974029
समय : दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)
स्पेशलिस्ट : खासी, श्वॉस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर ई.एन.टी. हॉस्पिटल (ISO 9001-2000 Certified)
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.)
फोन: 0771-4044551
समय: सुबह 9.30 से 4.30 तक

मनोरोग नशा उन्मूलन एवं यौन रोग विशेषज्ञ
प्रभा मनोचिकित्सा क्लिनिक
मो. 9977247553
नया पता : शॉप नं. 119, प्रथम तल, लालगंगा मिडास, फाफाडीह, रायपुर
समय : सुबह 11.00 से शाम 5.00 बजे तक
सिरदर्द, मिर्गी, मानसिक तनाव, घबराहट, असामान्य व्यवहार, डिप्रेशन, शीर्घ पतन, आदि, हर माह के प्रथम रविवार को कवर्धा में 12.00 से 4.00 एवं 8.30 से 10.30 बेमेतरा में

उपलब्ध विशेषताएं
• लेप्रोस्कॉपिक एवं जनरल सर्जरी
• जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स
• जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी
• ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल)
• गायनेकोलॉजी
अग्रवाल हॉस्पिटल (मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
जी.ई.रोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोन: +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037
लेप्रोस्कॉपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलब्ध
OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
डायबिटिक क्लीनिक
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
Appointments No. 7724035770, 9329004557, 9303724304
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर,
समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
* आयुष्मान कार्ड / राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव *
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन डॉ. रितेश रंजन (MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

बांठिया हॉस्पिटल
राजा तालाब रोड, रायपुर (छ.ग.)
फोन: 0771-2425009, 2424737
आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत हार्ट की एंजियोग्राफी, एंजियोप्लास्टी एवं सिरियस मरीजों का ईलाज

सुविधाएं : मेडिसिन, पॉलीट्रामा, बर्न एण्ड प्लास्टिक लप्रोस्कोपिक सर्जरी, जनरल सर्जरी, स्पाईन एण्ड न्यूरो सर्जरी, आर्थो, कैंसर (कीमोथैरेपी व सर्जरी), स्त्री रोग, जोड़ प्रत्यारोपण
पाल जी स्वास्तिक नर्सिंग होम
बर्न एण्ड पॉलीट्रामा सेंटर मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल
(आयुष्मान भारत स्कीम के तहत निःशुल्क ईलाज की सुविधा उपलब्ध)
श्यामनगर जल विहार कॉलोनी पानी टंकी के पास तेलीबांधा मरीन ड्राइव के पीछे
मो. 7991031330, मो. 0771-4347172

विज्ञापन हेतु संपर्क करें :
7987119756, 9303508130

शब्द पहेली - 5759

बाएँ से दाएँ
1.आरोपित, तथाकथ्य–5
4.प्रलय, वज्रपात–4
7.परिमाण, माप–2
8.प्लेट,तश्तरी–3
9.भीगा हुआ–2
10.वेश्या, गणिका–4
11.ज्वालामुखी से निकला द्रव पर्दाथ–2
13.अपवित्र (उर्दू–3)
14.दान करने वाला–2
15.आंचल–3
17.पंख–2
19.चाहे जो भी हो –5
22.अनूठापन,विचित्रता–5
25.उम्मीद,आस–2
26.अनाशवान,अक्षय–3
28.सुनील शेट्टी की पहली फिल्म–2
29.बंदर, मर्कट–3
30.सम्मान, आदर–2
32.करामात,करिश्मा–4
34.नवीन,नव–2
36.नसीरुद्दीन और अर्चना पूरणसिंह की फिल्म–3
37.शारीरिक ऊंचाई–2
38.भाग्य,लक–4
39.रावण,दशानन–5

ऊपर से नीचे
1.तपस्या–2
2.कॉफी–3
3.तरफदारी करनेवाला–5
4.जन जाति, झुंड–3
5.वोट–2
6.बढ़ई,खाती–4
7.जो मुनासिब न हो–5
10.भाग्य (उर्दू–4)
12.प्रतिज्ञा,वचन–2
16.राजा,राजन–3
17.क्षण–2
18.संपूर्ण,देवी का एक नाम–2
20.रनिवास (उर्दू–3)
21.नुकसान,घाटा–2
22.रजनी, रात्रि–2
23.अनुपम,बेजोड़–4
24.जिसे घर में ही कैद किया गया हो–5
25.आतंक फैलानेवाला–5
26.धरोहर,थाती–4
27.लक्ष्मी–2
31.निगाह,दृष्टि–3
33.बैचेनी,परेशानी,संघर्ष–3
35.लद्दाख में पाया जानेवाला बैल जैसा एक जानवर–2
37.टैक्स, हाथ–2

शब्द पहेली- 5758 का हल

ल	गा	म		अ		त	र	ब	त	र
ल		त	म	स		ह	म	ला		खै
क	श			ल		ल			का	ल
	ही		क	हा	नी	का	र		र	
ब	द	मा	श		र		च	म	क	ना
			ल	क्ष		सी	ना			
र	त	ज	गा		आ		का	म	या	ब
	र		ना	ना	स	सु	र		च	
य	ह			म		य			क	म
ह		त	ना	व		पा	य	ल		हु
त	ल	ब	गा	र		न		ब	ल	वा

सूडोकु नवताल - 5770

★★★★★ कठिनतम

			2					4
			6					1
	5		8			2		3
		7					6	
	3					8		
1		6			3		7	
2					5			
8					4			

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 5769 का हल

6	5	4	3	1	9	7	2	8
7	2	3	5	8	4	9	6	1
8	9	1	7	2	6	3	4	5
1	7	2	8	3	2	5	9	4
4	3	8	9	6	5	1	7	6
5	6	9	4	7	1	8	3	2
2	8	7	1	4	3	6	5	9
9	1	6	2	5	7	4	8	3
3	4	5	6	9	8	2	1	7

मैडिसन कीज ने जीता पहला ग्रैंड स्लैम खिताब, बनीं ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन

एजेंसी ▶▶| मेलबर्न

अमेरिका की मैडिसन कीज ने शनिवार को ऑस्ट्रेलियाई ओपन के महिला एकल फाइनल में दो बार की गत चैंपियन बेलारूस की आर्यना सबालेंका को 6-3, 2-6, 7-5 से हराकर अपना पहला ग्रैंड स्लैम खिताब जीता। इस 29 साल की खिलाड़ी फाइनल में शीर्ष रैंकिंग की खिलाड़ी को हराने से पहले सेमीफाइनल में दूसरे रैंकिंग की खिलाड़ी इगा स्वियाटेक को शिकस्त दी थी। वह इस तरह मेलबर्न पार्क में सेरेना विलियम्स के बाद रैंकिंग की शीर्ष दो खिलाड़ियों को हराने वाली अमेरिका की पहली खिलाड़ी बन गई है। सेरेना ने यह कारनामा 2005 में किया था। रैंकिंग में 14वें स्थान पर काबिज कीज को इस टूर्नामेंट में 19वीं वरीयता मिला थी। अमेरिकी ओपन 2017 में उपविजेता रहने के बाद यह उनका दूसरा ग्रैंड स्लैम फाइनल था।

हाथ ऊपर उठाकर मनाया जीत का जश्न

अमेरिका की खिलाड़ी ने जीत दर्ज करते ही अपना चेहरा अपने हाथों से ढक लिया, फिर हाथों को ऊपर उठा का जश्न मनाया। उन्होंने इसके बाद अपने पति और कोच (2023 से) ब्योर्न फ्रैटांगेलो और टीम के अन्य सदस्यों को गले लगाया। सबालेंका ने कीज को बधाई देने के बाद अपने टेबल के पास जाकर रैकेट को जोर से जमीन पर पटका और अपनी भावनाओं को छिपाने के लिए सफेद तौलिए से चेहरा ढक लिया।

46वें ग्रैंड स्लैम में बनीं चैंपियन

अमेरिकी ओपन 2015 में फ्लाविया पेनेटा के 33 साल की उम्र में चैंपियन बनने के बाद कीज सबसे उम्रदराज महिला ग्रैंड स्लैम चैंपियन हैं। कीज अपने 46वें ग्रैंड स्लैम में चैंपियन बनी। ओपन युग में सिर्फ पेनेटा (49) और मैरियन बार्टोली (47) ने उनसे ज्यादा ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट खेलने के बाद खिताब हासिल किए थे।

मैच का रोमांच

सबालेंका ने इस मैच में सतर्क शुरुआत की लेकिन कीज ने पहले सेट में तीन बार उनकी सर्विस ब्रेक कर बढ़त हासिल कर ली। इसमें हालांकि सबालेंका ने भी चार डबल-फॉल्ट और 13 असहज गलतियां कर उनकी मदद की। शुरुआती सेट के बाद सबालेंका ने छोटा सा ब्रेक लिया और लॉकर रूम से आने के बाद उनके खेल में सुधार दिखा। उन्होंने दूसरे सेट में अमेरिका की खिलाड़ी को ज्यादा मौके नहीं दिए। तीसरे सेट में दोनों खिलाड़ियों ने एक दूसरे को कड़ी टक्कर दी लेकिन कीज ने अहम मौकों पर संयम बनाए रखा और फोरहैंड विनर लगाकर खिताब अपने नाम करने में सफल रही।

आज गत चैंपियन सिनर के सामने ज्वेरेव की चुनौती

विश्व रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर काबिज यानिक सिनर ऑस्ट्रेलियाई ओपन के फाइनल में रविवार को यहां जब जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव के खिलाफ कोर्ट में उतरेंगे तो उनके सामने खिताब के बचाव करने की चुनौती होगी। सिनर के सामने जिम कुरियर (1992 और 1993) के बाद सबसे कम उम्र में लगातार दो बार इस खिताब को जीतने की चुनौती होगी। विश्व रैंकिंग में दूसरे स्थान पर काबिज 27 साल के ज्वेरेव इससे पहले दो बार ग्रैंड स्लैम के फाइनल में पहुंचे है और उन्हें दोनों बार निराशा हाथ लगी है। वह सिनर को हराकर अपना पहला खिताब जीतने के लिए पूरा जोर लगाएंगे। सिनर ने 2024 में आठ खिताब जीते है जो 2016 के बाद एटीपी टूर पर सबसे ज्यादा है। पिछले 20 मैचों अजेय इस खिलाड़ी का पिछले साल जीत-हार का रिकॉर्ड 73-6 रहा है।

खबर संक्षेप

पीआर श्रीजेश को पद्मभूषण अश्विन समेत 5 को पद्मश्री

नई दिल्ली। भारतीय हॉकी के महान गोलकीपर पी आर श्रीजेश को पद्म भूषण सम्मान के लिए चुना गया जबकि हाल ही में क्रिकेट को अलविदा कहने वाले स्पिनर रविचंद्रन अश्विन समेत चार खिलाड़ियों और एक पैरा कोच को पद्मश्री से नवाजा जाएगा।
देश के चौथे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्मश्री के लिए चुने गए खिलाड़ियों में भारत के महान फुटबॉलर आई एम विजयन और पैरालम्पिक में स्वर्ण पदक जीतने वाले भारत के पहले पैरा एथलीट हरविंदर सिंह शामिल हैं।
पैरा एथलेटिक्स कोच सत्यपाल सिंह को भी पद्मश्री से नवाजा जाएगा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 76वें गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर खेलों के क्षेत्र में पद्म पुरस्कारों के लिए इन पांच नामों की घोषणा की। पद्म भूषण भारत रत्न और पद्म विभूषण के बाद तीसरा सर्वोच्च नागरिक सम्मान है। इस साल सात हस्तियों को पद्म विभूषण, 19 को पद्म भूषण और 113 को विभिन्न क्षेत्रों में पद्मश्री प्रदान किए जाएंगे।

पांच मैचों की सीरीज में 2-0 से आगे भारतीय टीम

भारत के माथे पर जीत का 'तिलक' इंग्लैंड को दो विकेट से दी शिकस्त

एजेंसी ▶▶| चेन्नई

तिलक वर्मा के नाबाद अर्धशतक की मदद से भारत ने इंग्लैंड के तेज गेंदबाजों के सामने शीर्षक्रम की नाकामी से उबरते हुए दूसरे टी20 मैच में शनिवार को दो विकेट से जीत दर्ज करके पांच मैचों की श्रृंखला में बढत 2-0 की कर ली। तिलक 55 गेंद में चार चौकों और पांच छक्कों की मदद से 72 रन बनाकर नाबाद रहे। उन्होंने इंग्लैंड के गेंदबाजों को सूझबूझ से खेला और चार गेंद बाकी रहते भारत को आठ विकेट पर 166 रन तक पहुंचाया।

तिलक ने तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर को चार छक्के लगाए और चौथे छक्के से अपना अर्धशतक भी पूरा किया। आर्चर ने चार ओवर में 60 रन दे डाले और एकमात्र विकेट संजू सैमसन का मिला। तिलक ने तेज गेंदबाज ब्रायडन कार्स को भी डीप फाइन लेग में छक्का लगाया। कप्तान सूर्यकुमार यादव और तिलक ने इसके बाद तीसरे विकेट के लिए 39 रन जोड़कर स्कोर को 58 रन तक पहुंचाया। भारत का स्कोर छह विकेट पर 116 रन था लेकिन तिलक ने एक छोर संभाले रखा और फिनिशर साबित हुए।

बटलर की जुझारू पारी बेकार

जोस बटलर ने जुझारू पारी खेली लेकिन बाकी बल्लेबाज उनका साथ नहीं दे सके और भारत ने अपने स्पिनरों के शानदार प्रदर्शन के दम पर इंग्लैंड को नौ विकेट पर 165 रन पर रोक दिया। बटलर ने 30 गेंद में दो चौकों और तीन छक्कों की मदद से 45 रन बनाए। उन्होंने तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह के एक ओवर में दो चौके और एक छक्का लगाया।

स्कोर बोर्ड

इंग्लैंड	रन	गेंद	4	6
साल्ट का सुंदर बो अर्शदीप	04	03	1	0
बेन डकेट का जुरेल बो सुंदर	03	06	0	0
बटलर का वर्मा बो अक्षर	45	30	2	3
हैरी ब्रूक बो चक्रवर्ती	13	08	1	1
लियाम का राणा को अक्षर	13	14	1	0
स्मिथ का वर्मा बो अभिषेक	22	12	1	2
जैमी ओवरटन बो चक्रवर्ती	05	07	0	0
ब्रायडन कार्स रन आउट	31	17	1	3
जोफ्रा आर्चर नाबाद	12	09	1	0
रशीद का सैमसन बो हार्दिक	10	11	1	0
मार्क वुड नाबाद	05	03	1	0

अतिरिक्त : 02, कुल : 20 ओवर में 165/9
गेंदबाजी : अर्शदीप 4-0-40-1, हार्दिक 2-0-6-1, सुंदर 1-0-9-1, अक्षर 4-0-32-2, बिश्नोई 4-0-27-0, चक्रवर्ती 4-0-38-2, अभिषेक 1-0-12-1.

भारत	रन	गेंद	4	6
सैमसन का कार्स बो आर्चर	05	07	0	0
अभिषेक पगबाधा बो वुड	12	06	3	0
तिलक वर्मा नाबाद	72	55	4	5
सूर्यकुमार यादव बो कार्स	12	07	3	0
ध्रुव जुरेल का रेहान बो कार्स	04	05	0	0
पंड्या का साल्ट बो ओवरटन	07	06	1	0
वॉशिंगटन सुंदर बो कार्स	26	19	3	1
अक्षर का डकेट बो लिविंगस्टोन	02	03	0	0
अर्शदीप का आर्चर बो रशीद	06	04	1	0
रवि बिश्नोई नाबाद	09	05	2	0

अतिरिक्त : 11, योग : 19.2 ओवर में 166/8
गेंदबाजी : आर्चर 4-0-60-1, वुड 3-0-28-1, कार्स 4-0-29-3, रशीद 4-0-14-1, ओवरटन 2.2-0-20-1, लिविंगस्टोन 2-0-14-1.

क्रिकेट

रोहित टी20 टीम ऑफ द ईयर के कप्तान, अर्शदीप सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी

एजेंसी ▶▶| दुबई

पिछले साल जून में भारतीय टीम को दूसरा आईसीसी टी20 विश्व कप खिताब दिलाने वाले कप्तान रोहित शर्मा को 'आईसीसी पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम ऑफ द ईयर 2024' का कप्तान चुना गया। भारतीयों के दबदबे वाली इस 'ऑल स्टार एकादश' में स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह के साथ ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या भी शामिल हैं। बुमराह आईसीसी की 'टेस्ट टीम ऑफ द ईयर' में भी शामिल हैं। रोहित ने 11 मैचों में 42.00 के शानदार औसत और 160 से अधिक के स्ट्राइक रेट से 378 रन बनाए। पंड्या ने 17 मैच में 352 रन बनाने के साथ 16 विकेट झटके। बुमराह ने आठ मैच में 8.26 के शानदार औसत से 15 विकेट लिए। बाएं हाथ के युवा तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह 2024 में भारत के सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे, उन्होंने 18 मैचों में 13.50 की औसत से 36 विकेट झटके।

पुरुष टी20 टीम

रोहित शर्मा (कप्तान), हार्दिक पंड्या, जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह (सभी भारतीय); ट्रेविस हेड (ऑस्ट्रेलिया); फिल सॉल्ट (इंग्लैंड); बाबर आजम (पाकिस्तान); निकोलस पूरन (विकेटकीपर; वेस्टइंडीज); सिकंदर रजा (जिम्बाब्वे); राशिद खान (अफगानिस्तान) और वानिंदु हसारंगा (श्रीलंका)।

अर्शदीप प्लेयर ऑफ द ईयर

भारत के बाएं हाथ के युवा तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को आईसीसी का साल का सर्वश्रेष्ठ टी20 अंतरराष्ट्रीय पुरुष क्रिकेटर चुना गया। उन्होंने भारतीय टीम को इस प्रारूप में विश्व कप ट्रॉफी दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। इस पुरस्कार से छोटे प्रारूप में सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज के तौर पर उनका कद मजबूत हुआ। अमेरिका में हुए टी20 विश्व कप में अर्शदीप ने पावरप्ले और अंतिम ओवरों की गेंदबाजी अपनी महारत दिखाई।

मंधाना, ऋचा, दीप्ति टीम में शामिल

लॉरा वोल्वार्ड्ट (कप्तान), मारिजन काप, स्मृति मंधाना, ऋचा घोष (विकेटकीपर), दीप्ति शर्मा, चामरी अट्टापट्टू, हेली मैथ्यूज, नेट सिवर-ब्रंट, अमेलिया कैर, ओर्ला प्रेंडरगास्ट और सादिया इकबाल।

आस्ट्रेलिया सेमीफाइनल में पहुंचने के करीब, न्यूजीलैंड ने अमेरिका को हराया

एजेंसी ▶▶| बांगी

आस्ट्रेलिया ने शनिवार को वेस्टइंडीज को सात विकेट से हराकर अंडर 19 महिला टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में प्रवेश की ओर कदम रख दिया।

टॉस जीतकर क्षेत्ररक्षण चुनने वाली आस्ट्रेलियाई टीम ने पावरप्ले में ही 16 रन पर तीन विकेट निकाल दिए। वेस्टइंडीज की पूरी टीम 16.3 ओवर में 53 रन पर आउट हो गई। आस्ट्रेलिया के लिए एलीनोर लारोसा, काओइमे ब्रे और टेगान विलियमसन ने दो दो विकेट लिए। बारिश के कारण खेल बाधित होने के बावजूद आस्ट्रेलिया ने 10.5 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया। कप्तान लूसी हैमिल्टन ने 29 गेंद में 28 रन बनाए। ग्रुप दो से सुपर सिक्स चरण के मैच में न्यूजीलैंड ने अमेरिका को 18 रन से हराया। लेग स्पिनर रिशिका जसवाल ने 14 रन देकर दो विकेट लिए।

न्यूजीलैंड को 97 रन पर आउट करने के बाद अमेरिकी टीम 79 रन ही बना सकी। सारावाक में एक अन्य वर्षाबाधित मैच में दक्षिण अफ्रीका ने आयरलैंड को 35 रन पर आउट करने के बाद सात विकेट से जीत दर्ज की। वहीं इंग्लैंड और नाइजीरिया का मैच बारिश के कारण रद्द करना पड़ा और दोनों टीमों ने अंक बांटे।

बिजनेस साइट

जीके इलेक्ट्रिक ने ऑटो एक्सपो में अपनी ईवी 3-व्हीलर रेंज का किया प्रदर्शन

रायपुर। जीके ग्रुप ने राडा ऑटो एक्सपो, रायपुर में अपनी आगामी इलेक्ट्रिक 3-व्हीलर रेंज का प्रदर्शन किया। इस कार्यक्रम में राडा और फाडा के वरिष्ठ सदस्य, उद्योग के प्रमुख विशेषज्ञ और जीके इलेक्ट्रिक के सभी डीलर उपस्थित थे। उन्होंने जीके इलेक्ट्रिक की नई रेंज को भविष्य के लिए महत्वपूर्ण कदम मानते हुए इसकी सराहना की। जीके इलेक्ट्रिक ने अपनी नई पहल के तहत इलेक्ट्रिक 3-व्हीलर सेगमेंट में कदम रखा है। यह ब्रांड प्रदूषण को कम करने में मदद करते हुए, लास्ट माइल ट्रांसपोर्टेशन को पर्यावरण के अनुकूल बनाने में योगदान दे रहा है। साथ ही जीके इलेक्ट्रिक रोजगार के नए अवसर भी पैदा कर रहा है, क्योंकि इलेक्ट्रिक 3-व्हीलर के ड्राइवर आत्मनिर्भर बन रहे हैं और महिलाएं भी इस क्षेत्र में शामिल होकर अपने परिवारों को आर्थिक सहयोग प्रदान कर रही हैं। छत्तीसगढ़ में एक वर्ष के भीतर जीके इलेक्ट्रिक सबसे बड़ा ईवी 3-व्हीलर ब्रांड बन चुका है, और इसके 17 जिलों में 29 आउटलेट्स के व्यापक नेटवर्क ने इसे राज्य का सबसे विश्वसनीय ब्रांड बना दिया है। इसके बाद, ब्रांड ने महाराष्ट्र में विस्तार की शुरुआत की है, जहां नागपुर में पहला डीलर आउटलेट स्थापित किया गया है।

रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल में रोबोटिक गायनेकोलॉजिकल सर्जरी पर लाइव वर्कशॉप

रायपुर। रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल ने शनिवार को एक महत्वपूर्ण लाइव वर्कशॉप का आयोजन किया। यह वर्कशॉप रोबोटिक गायनेकोलॉजिकल सर्जरी पर केंद्रित थी और इसमें लगभग 100 गायनेकोलॉजिस्ट्स ने भाग लिया। वर्कशॉप का संचालन रोबोटिक सर्जन डॉ. संदीप दवे के नेतृत्व में किया गया, जिसमें गायनेकोलॉजिस्ट्स डॉ. सुबुही नकवी और डॉ. चेतना रमानी, साथ ही लेप्रोस्कोपिक सर्जन्स डॉ. जव्वाद नकवी, डॉ. सिद्धार्थ तामस्कर और डॉ. विक्रम शर्मा ने भी योगदान दिया। रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल के मेडिकल डायरेक्टर डॉ. संदीप दवे ने बताया कि वर्तमान में रोबोटिक गायनेकोलॉजिकल सर्जरी एक अत्यंत महत्वपूर्ण और जटिल सर्जरी है। इसके माध्यम से सर्जरी को और अधिक सुरक्षित और प्रभावी बनाया जाता है। डॉ. दवे ने यह भी बताया कि भविष्य में रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल इस तरह की लाइव वर्कशॉप्स का आयोजन समय-समय पर करेगा, ताकि मेडिकल स्टूडेंट्स और गायनेकोलॉजिस्ट्स को नवीनतम तकनीकों से अवगत कराया जा सके।

प्लॉट मेला के दूसरे दिन भी ग्राहकों का मिला शानदार रिस्पांस

सिंघानिया बिल्डकॉन के हर्षित अर्बन सिटी में आयोजित 'प्लॉट मेला' का आज अंतिम दिन

रायपुर। रियल एस्टेट क्षेत्र में अग्रणी ब्रांड सिंघानिया बिल्डकॉन के द्वारा हर्षित अर्बन सिटी में तीन दिवसीय 'प्लॉट मेला' का आयोजन किया गया है। 24, 25 और 26 जनवरी तक चलने वाले इस प्लॉट मेला के पहले और दूसरे दिन भी ग्राहकों का अच्छा रिस्पांस मिला। ग्राहकों ने साइट विजिट कर प्लॉट की बुकिंग की और सिंघानिया बिल्डकॉन के 'शहर के बीच में अपना जहां' स्कीम का फायदा उठाया। हर्षित अर्बन सिटी, रिंग रोड नं-1, डी-मार्ट के सामने रायपुरा में स्थित है। एक पूरी तरह से विकसित प्रीमियम रेसिडेंशियल प्लॉट्स का विकल्प पेश करता है। यहां 1000 से 3000 वर्गफुट साइज के प्लॉट्स किफायती कीमत पर उपलब्ध हैं। यह प्लॉट्स रेरा द्वारा पंजीकृत हैं, जिससे निवेशकों को सुरक्षा और विश्वास का ऐहसास होता है। साथ ही हर्षित अर्बन सिटी में विश्वस्तरीय सुविधाओं भी है, जैसे कवर्ड कैम्पस, सीसीटीवी सुरक्षा, 24X7 जल आपूर्ति, लैंडस्केप गार्डन, स्ट्रीट लाइट, भूमिगत पानी की टंकी, वॉकिंग ट्रैक, पार्टी लॉन, बच्चों के लिए प्लेइंग ग्राउंड और पर्यावरण मानकों के अनुरूप ग्रीन प्लांटेशन, जो यहां रहने के अनुभव को और भी शानदार बनाता है।

42 बार के चैंपियन मुंबई को जम्मू-कश्मीर ने हराया

मुंबई। जम्मू-कश्मीर ने मौजूदा रणजी ट्रॉफी में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए ग्रुप ए लीग मैच में सितारों से सजी गत चैंपियन मुंबई को पांच विकेट से हराकर नॉक-आउट में अपनी जगह लगभग पक्की कर ली। जम्मू कश्मीर ने 42 बार के रणजी चैंपियन के खिलाफ लगभग एक दशक के बाद जीत दर्ज की है। टीम ने मुंबई को इससे पहले 2014 में वानखेड़े स्टेडियम में हराया था। जम्मू कश्मीर के लिए रणजी में यह सबसे बड़ी जीत में से एक है क्योंकि मुंबई की टीम में भारत के टेस्ट और एकदिवसीय कप्तान रोहित शर्मा के अलावा, पूर्व कप्तान और 80 से ज्यादा टेस्ट मैच खेलने वाले अनुभवी अजिंक्य रहाणे, एकदिवसीय टीम के नियमित सदस्य श्रेयस अय्यर, यशस्वी जायसवाल आदि शामिल थे।

क्यों 15 अगस्त को होता है ध्वजारोहण और 26 जनवरी को फहराया जाता है तिरंगा?

एजेंसी : नई दिल्ली

देशभर में गणतंत्र दिवस मनाया जा रहा है। इस राष्ट्रीय पर्व को हर साल 26 जनवरी को धूमधाम से मनाया जाता है। हर एक भारतीय के लिए यह गर्व का दिन होता है। 26 जनवरी का दिन बेहद खास होता है, क्योंकि यह दिन भारतीयों को गणतंत्र होने की याद दिलाता है। इतिहास के पन्नों में 26 जनवरी को इसलिए खास माना जाता है, क्योंकि इसी दिन भारत में लोकतंत्र की स्थापना हुई थी। भारत में हर साल दो महत्वपूर्ण राष्ट्रीय पर्व मनाए जाते हैं, जो स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त) और गणतंत्र दिवस (26 जनवरी)। इन दोनों ही मौके पर पर राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराया जाता है, लेकिन इन दोनों दिनों के ध्वजारोहण में थोड़ा सा अंतर होता है।

तिरंगा फहराना क्या है?

26 जनवरी यानी गणतंत्र दिवस के दिन होने वाली प्रक्रिया को 'झंडा फहराना' कहा जाता है। इस दिन झंडा पहले से ही खंभे के ऊपर बंधा होता है और राष्ट्रपति सिर्फ उसे खोलकर फहराते हैं। यह प्रक्रिया 1950 में भारत के गणतंत्र बनने और संविधान लागू होने का प्रतीक है। 26 जनवरी को झंडा फहराने का महत्व यह है कि इस दिन भारत का संविधान लागू हुआ था और भारत एक गणतंत्र बना था।

क्या होता है ध्वजारोहण?

15 अगस्त यानी स्वतंत्रता दिवस के दिन होने वाली प्रक्रिया को 'ध्वजारोहण' कहते हैं। इस दिन झंडा नीचे बंधा होता है और प्रधानमंत्री उसे रस्सी खींचकर ऊपर उठाते हैं, फिर उसे फहराते हैं। यह प्रक्रिया इस ऐतिहासिक घटना का प्रतीक है जब 1947 में ब्रिटिश शासन का झंडा उतारकर भारतीय तिरंगा पहली बार फहराया गया था।

कौन करता है ध्वजारोहण और कौन फहराता है तिरंगा?

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लाल किले की प्राचीर से प्रधानमंत्री ध्वजारोहण करते हैं, जो देश के प्रधान होते हैं। वहीं, गणतंत्र दिवस पर कर्तव्य पथ पर राष्ट्रपति द्वारा झंडा फहराया जाता है, जो देश के संवैधानिक प्रमुख होते हैं।

रिसॉर्ट में गजल को लेकर हुआ था जमकर विवाद

आईपीएस और कारोबारी के बीच मारपीट की जांच करेंगे आईजी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर/राजनांदगांव

राज्य के गृहमंत्री विजय शर्मा के गृह जिले में पिछले 14 जनवरी की रात आईपीएस अफसर और रायपुर के एक बड़े कारोबारी के बीच हुई मारपीट के मामले में तूल पकड़ लिया है। मामले को गंभीरता से लेते हुए पीएचक्यू ने जांच के आदेश जारी किए है। राजनांदगांव रेंज के आईजी दीपक झा इस पूरे मामले की जांच करेंगे।

मिली जानकारी के अनुसार भोरमदेव स्थित एक रिसोर्ट में पिछले 14 जनवरी की रात एक आईपीएस और रायपुर के कारोबारी के बीच गजल सुनने को लेकर जमकर विवाद की स्थिति निर्मित हुई थी। हालात मारपीट तक भी पहुंच गए थे। बताया जाता है कि एक पक्ष जहां पुराने गाने को सुनने की मांग कर रहा था, वहीं एक पक्ष द्वारा नई गजलें सुनाने की मांग की जा रही थी। इस बीच, विवाद इतना बढ़ गया कि गजल गायक की भी पिटाई कर दी गई। इसके बाद आईपीएस और रायपुर के कारोबारी के बीच भी विवाद बढ़ गया था। सूत्रों ने बताया कि आईपीएस ने कारोबारी के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए उसे वहां से भोरमदेव थाने भी लाया लेकिन इस बीच रायपुर के एक भाजपा नेता का फोन आने के बाद मामले में समझौता हो गया। इस मामले की शिकायत पीएचक्यू तक पहुंचने के बाद जांच के आदेश जारी कर दिए गए है। मामले की जांच का जिम्मा आईजी दीपक झा को सौंपा गया है।

भोरमदेव थाना मिला बंद

इस मामले के साथ ही गृहमंत्री के जिले में एक और सनसनीखेज मामला सामने आया। बताया जाता है कि आईपीएस अफसर जब कारोबारी को लेकर थाने पहुंचे तो उन्हें वहां ताला लगा मिला। बताया जाता है कि टीआई सहित पूरा अमला रात होते हुए थाने को बंद कर घर चले जाते थे। इस मामले में थानेदार और स्टाफ को निलंबित भी किया गया है।

सीसीटीवी फुटेज गायब

घटनाक्रम के तुल पकड़ने के बाद अब इस पूरे मामले को रफा-दफा करने की कोशिश भी शुरू हो गई है। सूत्रों ने बताया कि थाने और रिसोंर्ट में लगे सीसीटीवी से फुटेज को गायब कर दिया गया है। बताया जाता है कि भोरमदेव के इस रिसोंर्ट में आए दिन रायधानी से आईएएस और आईपीएस अफसर पार्टी मनाने के लिए पहुंचते है। यहां शराब भी परोसी जाती है।

केंद्र सरकार ने जारी किया यूनिफाइड पेंशन स्कीम

नई दिल्ली। भारत सरकार ने गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर यूनिफाइड पेंशन स्कीम का गजट जारी कर दिया है। कर्मचारी संगठनों ने इसे तगड़ा झटका बताया है। नेशनल मिशन फॉर ओल्ड पेंशन स्कीम भारत के अध्यक्ष मंजीत सिंह पटेल ने कहा है कि सरकार ने बजट से पहले अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मार ली है। यूपीएस में 25 साल की सेवा के बाद ही वीआरएस मिलेगी। इतना ही नहीं, इसके बाद कर्मचारी को पेंशन के लिए साठ वर्ष की आयु तक इंतजार करना होगा। अगर कोई कर्मचारी 45 वर्ष की आयु में रिटायरमेंट लेता है तो पेंशन के लिए 15 साल तक इंतजार करना पड़ेगा।

सरगुजा पहुंचे सीएम ने मां महामाया मंदिर में टेका माथा, लिया माता का आशीर्वाद

अंबिकापुर (हरिभूमि न्यूज)। गणतंत्र दिवस समारोह में शामिल होने के लिए प्रदेश के मुखिया विष्णुदेव साय सरगुजा पहुंचे। सरगुजा आगमन के बाद सीएम ने मां महामाया मंदिर में माथा टेककर माता का आर्शीवाद लिया व प्रदेश के खुशहाली की कामना की। इस दौरान सीएम ने अतिक्रमण के खिलाफ जिले में भी कड़ी कार्रवाई करने की बात कही है।

■ कहा-कानून को हाथ में लेने वालों पर होगी सख्ती से कार्रवाई

बता दें कि इस बार 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के समारोह में प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ध्वजारोहण करेंगे। यह पहला मौका है जब कोई मुख्यमंत्री सरगुजा में ध्वजारोहण करेगा। जिले में सीएम द्वारा ध्वजारोहण किए जाने के पीछे यह माना जा रहा है कि प्रदेश की भाजपा सरकार का सरगुजा में विशेष फोकस है और आगामी नगरीय निकाय व पंचायत चुनाव में भाजपा पार्टी पूरी ताकत के साथ मैदान में उतरेगी। गणतंत्र दिवस समारोह में शामिल होने के लिए सीएम श्री साय शाम को सरगुजा पहुंचे। अंबिकापुर पहुंचने के साथ ही सीएम श्री साय ने कैबिनेट मंत्री रामविचार नेताम व जिलाध्यक्ष भाजपा भारत सिंह सिसोदिया के साथ मां महामाया मंदिर में माता के दर्शन करने के साथ ही पूजा अर्चना की।

भाजपा कार्यालय में ली बैठक

सीएम श्री साय मां महामाया मंदिर में पूजा अर्चना के बाद भाजपा कार्यालय पहुंचे। आगामी नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव को लेकर प्रत्याशियों के नाम की घोषणा के साथ ही चुनावी रणनीति को लेकर सीएम भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की।

10 लाख का इनामी दामोदर मरा नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

पिछले दिनों बीजापुर जिले के पुजारी कांकेर में 50 लाख का इनामी नक्सली दामोदर उर्फ चोखा राव के मुठभेड़ में मारे जाने की खबर पुलिस ने जारी की थी। बाद में नक्सली पर्चे में भी इसे सही बताया गया था, लेकिन 22 जनवरी को जारी एक और नक्सली पर्चा में दक्षिण सब जोनल ब्यूरो के प्रवक्ता ने कहा है कि दामोदर जिंदा है। उसके मरने की खबर को पुलिस का दुष्प्रचार बताया है। दो पेज के पर्चे में नक्सली प्रवक्ता ने दामोदर और अन्य नक्सलियों के सुरक्षित होने की बात कही है, बल्कि उसने पुलिस पर 4 ग्रामीणों की हत्या का आरोप लगाया है। साथ ही कहा है कि दक्षिण बस्तर डिविजनल कमेटी के नाम से जो बयान जारी किया गया था, वह फर्जी है। पर्चा में मारे गए नक्सलियों और ग्रामीणों के नाम का उल्लेख करते हुए प्रवक्ता ने इनकी पुलिस द्वारा हत्या करना बताया है। साथ ही स्वतंत्र एजेंसी से जांच कर दोषियों को सजा देने की बात कही है।

■ नक्सली प्रवक्ता ने जारी पर्चा में बताया, यह पुलिस का दुष्प्रचार

वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हुआ था

गौरतलब है कि 50 लाख का इनामी नक्सली के मारे जाने के बाद उसकी मां का तेलगू में वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हुआ था, जिसमें वह अपने बेटे से हिंसा को छोड़कर शांतिपूर्ण जीवन जीने के लिए कह रही है। साथ ही यह भी कहा गया है कि समर्पण करने पर कोई भी अधिकारी परेशान नहीं करेगा।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रम्हवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com